आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

तरुण छत्तीसगढ़

E-mail: tarunpressraipur@gmail.com tarun_press@yahoo.co.in
Web: www.tarunchhattisgarh.in facebook.TarunChhattisgarh
phone: 0771-2543112

■ रायपुर,रविवार 1 फरवरी 2026 ■ माघ शुक्ल पक्ष -15 ■ वर्ष -41 ■ अंक-301 ■ पृष्ठ 8 ■ डाक संस्करण 2 फरवरी 2026 ■ मूल्य-2.00 रुपये

बसंत बहार बजट

नई दिल्ली,1 फरवरी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आज 11 बजे केंद्रीय बजट पेश किया। यह उनका लगातार रिकॉर्ड नौवां बजट है। यह पहली बार जब देश का बजट रविवार को पेश किया गया।बजट 2026 के बाद जहां कुछ उत्पाद सस्ते हो गए हैं, वहीं शराब और खनिज जैसी चीज़ें महंगी हो गई हैं। सरकार का यह बजट आम आदमी की जेब पर सीधा असर डालेगा। सरकार ने रक्षा बजट में बढ़ोत्तरी की है।

रक्षा बजट में वृद्धि ,सरकार के तीन कर्तव्य- आर्थिक विकास, आकांक्षाओं की पूर्ति, अवसरों तक पहुंच

निर्मला सीतारमण ने खोला 7.8 लाख करोड़ का खजाना

केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2026–27 के लिए रक्षा मंत्रालय को ₹7.8 लाख करोड़ का बजट आवंटित किया है। इसमें से ₹2.19 लाख करोड़ केवल सेनाओं के आधुनिकीकरण (कैपिटल आउटले) के लिए रखे गए हैं। रक्षा मंत्रालय के कुल बजट में इस साल करीब 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। वहीं कैपिटल आउटले में 21.84 प्रतिशत का इजाफा किया गया है — जो पिछले साल के ₹1.80 लाख करोड़ से बढ़कर ₹2.19 लाख करोड़ पहुंच गया है। रक्षा मंत्रालय के सामने आने वाले समय में कई बड़े प्रोजेक्ट हैं, जिनमें नए लड़ाकू विमान (जैसे राफेल), पनडुब्बियां और ड्रोन (UAV) की खरीद शामिल है। इन सौदों का मकसद थलसेना, नौसेना और वायुसेना की ताकत को और मजबूत करना है।

पेंशन बजट भी बढ़ा–सरकार ने रक्षा पेंशन के लिए भी राशि बढ़ाते हुए ₹1,71,338.22 करोड़ आवंटित किए हैं, जिससे पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को राहत मिलने की उम्मीद है।

ओडिशा से छत्तीसगढ़ तक माइनिंग कॉरिडोर

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने ऐलान किया है कि उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए हर जिले में गर्ल्स हॉस्टल बनाए जाएंगे.

देश में 3 नए एम्स का ऐलान–वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 3 नए ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंसेज (AIIMS) बनाने का ऐलान किया है.

5 क्षेत्रीय मेडिकल हब का ऐलान–सरकार ने ऐलान किया है कि 5 क्षेत्रीय मेडिकल हब बनाएंगे. मेडिकल और ट्रेनिंग और रिसर्च पर काम किया जाएगा. मेडिकल सुविधाएं आसानी से उपलब्ध कराएंगे. ये हब विविध तरीके से रोजगार के मौके बनाएंगे. इसमें स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े लोग होंगे.

7 हाईस्पीड रेल कॉरिडोर का ऐलान–केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में दिल्ली-वाराणसी समेत 7 हाईस्पीड रेल कॉरिडोर का ऐलान किया गया है. वाराणसी और पटना में जहाज मरम्मत सुविधा स्थापित होगी. दिल्ली-वाराणसी, वाराणसी-सिलीगुड़ी में भी हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर बनेंगे.

10 साल में 22 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला– हमने बीते 10 साल में 22 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला है. हमारी सरकार ने तय किया है कि सर्विस सेक्टर पर जोर देंगे. भारत का युवा, उनकी आकांक्षाओं को पूरा किया जा सके. पढ़ाई से लेकर रोजगार तक उद्यम स्थापित हों.

बैंकिंग को लेकर कमेटी का गठन–वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि वित्तीय स्थिरता के लिए देश में बैंकिंग को लेकर कमेटी का गठन किया जाएगा. हम ग्राहकों की सुरक्षा के लिए नए उच्चतम स्तर पर काम करना चाहते हैं.

तीन राज्यों में माइनिंग कॉरिडोर का ऐलान–वित्त मंत्री ने ऐलान किया है कि ओडिशा, केरल और छत्तीसगढ़ में माइनिंग कॉरिडोर बनाया जाएगा.

राष्ट्रीय फाइबर योजना का ऐलान–वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रेशम, जूट और ऊन के लिए राष्ट्रीय फाइबर योजना का ऐलान किया. देश में 22 नए जलमार्ग बनाए जाएंगे वित्त मंत्री ने ऐलान किया है कि देश में 22 नए जलमार्ग बनाए जाएंगे.

कैंसर और शुगर की दवाएं सस्ती–वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने ऐलान किया है कि देश में कैंसर और शुगर की दवाएं सस्ती होंगी.

रेयर अर्थ मिनरल्स कॉरिडोर का ऐलान–वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने ऐलान किया है कि ओडिशा, केरल, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु में रेयर अर्थ कॉरीडोररेयर अर्थ कॉरिडोर बनाया जाएगा. इसके अलावा तीन डैडीकेटेड केमिकल पार्क भी बनाए जाएंगे.

MSME के लिए 10 हजार करोड़ का ऐलान–MSME विकास के रास्ते में अहम साथी हैं. हम चाहते हैं कि चैंपियन की तरह हम उन्हें बढ़ाएं. हम इसके लिए 10 हजार करोड़ रुपये दे रहे हैं ताकि उद्यमियों को फायदा मिले.

गांवों के लिए वित्त मंत्री का बड़ा ऐलान–महात्मा गांधी ग्राम स्वराज इनिशिएटिव का प्रस्ताव दे रहे हैं. इससे बुनकरों और कुटीर उद्योगों को फायदा मिलेगा. गरीब ग्रामीण युवाओं को फायदा पहुंचेगा. भारत के पास संभावना है कि खेल से जुड़े उत्पादन तैयार कर सकें.

भारत को सेमीकंडर हब बनाने में जुटी सरकार-वित्त मंत्री–वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत को सेमीकंडर हब बनाने के लिए सरकार काम कर रही है. सेमीकंडक्टर के लिए 40 हजार करोड़ रुपये अलॉट किए गए हैं.

बायोफार्मा के लिए सरकार ने दिए 10 हजार करोड़-बायोफार्मा पर हमारा फोकस रहेगा. हम 10 हजार करोड़ रुपये अलॉट कर रहे हैं. तीन संस्थान बनाए जाएंगे. फिलहाल हमारे पास 7 संस्थान हैं, जिन्हें और अपडेट किया जाएगा.

साड़ी का बजट लुक

बजट वाले दिन निर्मला सीतारमण की साड़ी हमेशा चर्चा में रहती है। दरअसल बजट के मौके पर निर्मला सीतारमण जो साड़ी पहनती हैं, उसमें भारत की संस्कृति की छाप दिखती है। पहली बार है जब रविवार को केंद्रीय बजट पेश किया गया।इस बार वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट-2026 के लिए वित्त मंत्री सीतारमण ने हाथ से बुनी बैंगनी रंग की कांजीवरम सिल्क साड़ी पहनी है। यह तमिलनाडु की सदियों पुरानी बुनाई की विरासत दिखाती है। यह बैंगनी कट्टम कांजीवरम साड़ी है, जिसमें हल्के सुनहरे भूरे के चेक यानी कट्टम हैं। कॉफी ब्राउन बॉर्डर पर धागे का काम किया गया है। वित्त मंत्री खुद तमिल हैं। इसलिए उन्होंने अपने गृह राज्य की साड़ी पहनी।

140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं को दर्शाता है बजटः नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली,1 फरवरी। प्रधानमंत्री मोदी ने केंद्रीय बजट 2026 पर कहा कि केंद्रीय बजट 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं को दर्शाता है। यह सुधारों की यात्रा को मजबूत करता है और विकसित भारत के लिए एक स्पष्ट रोडमैप तैयार करता है। बजट वर्तमान के सपनों को साकार करता है और भारत के उज्ज्वल भविष्य की नींव को सशक्त करता है। ये बजट 2047 के विकसित भारत की हमारी ऊंची उड़ान का मजबूत आधार है। आज भारत जिस रिफॉर्म एक्सप्रेस पर सवार है, इस बजट से उसे नई ऊर्जा, नई गति मिलेगी। जो पाथ ब्रेकिंग रिफॉर्म किए गए हैं, वो आकांक्षा से भरे हुए भारत के साहसिक, प्रतिभाशाली युवाओं को उड़ने के लिए खुला आसमान देते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि ये बजट भारत की वैश्विक भूमिका को नए सिरे से सशक्त करता है। भारत के 140 करोड़ नागरिक सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बनकर ही संतुष्ट नहीं हैं। हम जल्द से जल्द दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना चाहते हैं।

जीएसटी से देश के खजाने में बढ़ोत्तरी

देश का जीसटी कलेक्शन जनवरी में 6.2 प्रतिशत बढ़कर 1.93 लाख करोड़ रुपये हो गया हैष सरकार ने रविवार को बताया कि भारत का गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) कलेक्शन जनवरी में 1,93,384 करोड़ तक पहुंच गया, जो पिछले साल इसी महीने के मुकाबले 6.2% ज्यादा हैष यह बढ़ोतरी मजबूत घरेलू गतिविधि और इंपोर्ट रेवेन्यू में अच्छी ग्रोथ के कारण हुई है। जनवरी 2025 में कुल जीएसटी कलेक्शन 1,82,094 करोड़ रुपये था। साल-दर-साल आधार पर अप्रैल-जनवरी 2025-26, कुल कलेक्शन बढ़कर 18,43,423 करोड़ रुपये हो गया, जो 8.3% की मजबूत सालाना ग्रोथ दिखाता है।

जीएसटी कलेक्शनः छत्तीसगढ़ में 23% की बड़ी गिरावट

रायपुर। नए साल के पहले महीने जनवरी में जहां देश के कुल जीएसटी (जीएसटी) कलेक्शन में वृद्धि दर्ज की गई, वहीं छत्तीसगढ़ समेत कई राज्यों में संग्रह में भारी गिरावट सामने आई है। केंद्र सरकार द्वारा रविवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, जनवरी 2026 में देश का कुल जीएसटी कलेक्शन 6.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 1,93,384 करोड़ रुपये रहा। पिछले वर्ष जनवरी 2025 में यह आंकड़ा 1,82,094 करोड़ रुपये था। सरकार के मुताबिक, यह बढ़ोतरी मजबूत घरेलू आर्थिक गतिविधियों और आयात से प्राप्त राजस्व में सुधार के कारण हुई है।

जनवरी महीने के लिए नेट जीएसटी रेवेन्यू 1,70,719 करोड़ रुपये रहा, जो सालाना आधार पर 7.6 प्रतिशत अधिक है। वहीं, चालू वित्त वर्ष में अब तक कुल नेट जीएसटी रेवेन्यू 15,95,752 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जिसमें 6.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

टैक्स राहत से लेकर रोजगार और इंफ्रास्ट्रक्चर तक सरकार का ग्रोथ रोडमैप

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को लोकसभा में केंद्रीय बजट 2026-27 पेश किया। यह उनका लगातार नौवां बजट है। इस बजट का उद्देश्य मध्यम वर्ग को राहत, रोजगार सृजन, MSME को मजबूती और आर्थिक विकास की गति बनाए रखना बताया गया। वित्त मंत्री ने कहा कि यह बजट विकास, समावेशन और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक मजबूत कदम है।

इनकम टैक्स में ऐतिहासिक राहत देते हुए सरकार ने नए टैक्स रिजीम के तहत कर-मुक्त आय की सीमा बढ़ाकर 12 लाख रुपये कर दी है। इसके साथ ही स्टैंडर्ड डिडक्शन का लाभ मिलने से सैलरीड वर्ग को और राहत मिलेगी। नए टैक्स स्लैब के अनुसार 0 से 4 लाख रुपये तक आय पर कोई कर नहीं लगेगा, 4 से 8 लाख रुपये पर 5 प्रतिशत, 8 से 12 लाख रुपये पर 10 प्रतिशत, 12 से 16 लाख रुपये पर 15 प्रतिशत, 16 से 20 लाख रुपये पर 20 प्रतिशत, 20 से 24 लाख रुपये पर 25 प्रतिशत और 24 लाख रुपये से अधिक आय पर 30 प्रतिशत कर लगेगा। सरकार का मानना है कि इससे मध्यम वर्ग की बचत बढ़ेगी, खर्च में वृद्धि होगी और आर्थिक गतिविधियों को गति मिलेगी।

बजट 2026 में रोजगार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में रोजगार बढ़ाने के लिए विशेष योजनाएं शुरू की जाएंगी। युवाओं के लिए स्किल डेवलपमेंट और अप्रेंटिसशिप कार्यक्रमों का विस्तार किया जाएगा। स्टार्टअप्स और नए उद्योगों को बढ़ावा देकर स्वरोजगार को प्रोत्साहित किया जाएगा। वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य आने वाले वर्षों में लाखों युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है।

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों को अर्थव्यवस्था की रीढ़ बताते हुए सरकार ने इनके लिए कई अहम घोषणाएं की हैं। MSME ग्रोथ फंड की स्थापना की जाएगी। छोटे उद्योगों को आसान ऋण उपलब्ध कराने के लिए क्रेडिट गारंटी स्कीम का विस्तार किया जाएगा। घरेलू उत्पादन बढ़ाने और निर्यात को प्रोत्साहन देने के उपाय किए जाएंगे। सरकार का मानना है कि मजबूत MSME सेक्टर से ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

इंफ्रास्ट्रक्चर को गति देने के लिए बजट में पूंजीगत व्यय को और बढ़ाया गया है। राष्ट्रीय राजमार्ग, रेलवे और मेट्रो परियोजनाओं पर निवेश बढ़ाया जाएगा। नए हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर की योजना बनाई गई है। लॉजिस्टिक्स, बंदरगाह और जलमार्ग विकास पर विशेष जोर दिया गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे निर्माण क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा और अर्थव्यवस्था में बहुगुणक प्रभाव देखने को मिलेगा।

बजट में किसानों और ग्रामीण भारत को भी प्राथमिकता दी गई है। कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए नई योजनाएं लाई जाएंगी। सिंचाई, फसल विविधीकरण और ग्रामीण इंफ्रास्ट्रक्चर पर निवेश बढ़ाया जाएगा। किसान कल्याण और आय बढ़ाने की दिशा में सरकार के प्रयास जारी रहेंगे।

विकसित भारत की दिशा में ऐतिहासिक कदमः मुख्यमंत्री

रायपुर. मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने केंद्रीय बजट 2026-27 पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह बजट भारत के सुनहरे और विकसित भविष्य की दिशा में एक ऐतिहासिक दस्तावेज है। कर्तव्य भवन में बना हुआ यह पहला बजट है, जिसमें देश के समग्र विकास और प्रत्येक नागरिक के कल्याण को ध्यान में रखते हुए तीन प्रमुख कर्तव्यों-आर्थिक विकास एवं रोजगार वृद्धि, जनता की अपेक्षाओं की पूर्ति तथा 'सबका साथ, सबका विकास' को केंद्र में रखा गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत यह बजट गरीब, किसान, युवा, महिला, मध्यम वर्ग और श्रमिक वर्ग के उत्थान के लिए मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों को इस बजट का सीधा लाभ मिलेगा।

सड़क-रेल-मेट्रो के लिए रिकॉर्ड फंडिंग का ऐलान

नई दिल्ली,1 फरवरी। यूनियन बजट 2026 में सरकार ने एक बार फिर साफ कर दिया है कि देश की ग्रोथ की रफ्तार इंफ्रास्ट्रक्चर के दम पर ही तेज की जाएगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने ऐलान किया है कि वित्त वर्ष 2026-27 के लिए कैपिटल एक्सपेंडिचर बढ़ाकर 12.2 लाख करोड़ कर दिया गया है। आइए जरा विस्तार से इसकी डिटेल्स जानते हैं।

कैपेक्स यानी सरकार द्वारा किया जाने वाला वह खर्च, जो सड़क, रेलवे, मेट्रो, एयरपोर्ट, हाउसिंग और इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर जैसी लंबे समय की विकास परियोजनाओं पर होता है। इसका मतलब है कि जितना ज्यादा कैपेक्स होगा, उतना ज्यादा रोजगार, निवेश और आर्थिक गतिविधियां भी बढेंगी।

वित्त मंत्री ने बताया कि पिछले एक दशक में पब्लिक कैपिटल एक्सपेंडिचर में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। 2014-15 में यह 2 लाख करोड़ था, जो 2025-26 (BE): में बढ़कर 11.2 लाख करोड़ हुआ और 2026-27 (प्रस्तावित) में इसको बढ़ाकर 12.2 लाख करोड़ तक कर दिया गया है, यानी 10 साल में सरकार का इंफ्रास्ट्रक्चर खर्च कई गुना बढ़ चुका है।

सरकार का खास जोर उन शहरों पर रहेगा जिनकी आबादी 5 लाख से ज्यादा है। ये शहर अब सिर्फ छोटे कस्बे नहीं, बल्कि नए ग्रोथ सेंटर्स बन चुके हैं। सरकार का लक्ष्य है कि Tier-2 और Tier-3 शहरों में बेहतर सड़कें हों। इसके साथ ही मजबूत पब्लिक ट्रांसपोर्ट, स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर, रियल एस्टेट और इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट हो।

उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाने वाला बजटः दीपक बैज

दीपक बैज ने कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किया गया यह बजट आम जनता और देश की भलाई के लिए नहीं है, बल्कि उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाने वाला बजट है। उन्होंने कहा कि सरकार दावा कर रही है कि बीजेपी शासित राज्यों को इस बजट में विशेष योगदान मिला है, लेकिन हकीकत यह है कि छत्तीसगढ़ के लिए बजट में कुछ भी नहीं है। एक बार फिर छत्तीसगढ़ के साथ ठगी की गई है।दीपक बैज ने कहा कि बजट में महंगाई कम करने को लेकर कोई ठोस प्रावधान नहीं है, न ही युवाओं के रोजगार के लिए कोई स्पष्ट योजना दिखाई देती है।

ट्रेलर ने बाइक सवार समेत कई को रौंदा, 3 की मौत

रायपुर,1 फरवरी। रायपुर-बिलासपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक भीषण हिट एंड रन की दुर्घटना हो गई, जिसने पूरे इलाके को दहला कर रख दिया है. यहां तेज रफ्तार ट्रेलर वाहन ने भूमिया गांव के पास तीन मोटरसाइकिल सवारों और पैदल जा रहे राहगीरों को रौंद दिया. इस दर्दनाक हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए. जानकारी के मुताबिक सभी मृतक और घायल भूमिया गांव के निवासी थे, जो रायपुर से अपने गांव लौट रहे थे. इसी दौरान रायपुर की ओर से आ रहा एक तेज रफ्तार ट्रेलर वाहन ने अलग-अलग स्थानों पर पहले बाइक सवारों को टक्कर मारी और फिर पैदल चल रहे लोगों को कुचलता चला गया. हादसे के बाद आरोपी चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया. प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, ट्रेलर चालक ने कई मीटर तक बाइक सवारों को अपने वाहन में घसीटा, जिससे घटनास्थल पर ही घनाराम यदु, लक्ष्मी शंकर यदु और देवेंद्र निषाद की बेहद दर्दनाक मौत हो गई. इसके बाद सड़क किनारे पैदल चल रहे ओमप्रकाश निषाद और अश्वनी साहू को भी वाहन ने चपेट में ले लिया. दोनों को गंभीर अवस्था में सिमगा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है. घटना की सूचना मिलते ही रायपुर देहात क्षेत्र के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे. पुलिस ने तत्काल घायलों को अस्पताल भिजवाया और ग्रामीणों से पूछताछ कर हादसे से जुड़े अहम सुराग जुटाए. ग्रामीणों द्वारा बताए गए वाहननंबर के आधार पर पुलिस ने आसपास के जिलों में नाकेबंदी कराई. पुलिस की तत्परता का नतीजा यह रहा कि आरोपी वाहन चालक को सिमगा से आगे वाहन समेत पकड़ लिया गया. प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी चालक रायपुर से बिलासपुर की ओर जा रहा था, तभी यह हादसा हुआ. फिलहाल तिल्दा थाना पुलिस ने वाहन चालक को ट्रक समेत गिरफ्तार कर लिया है और उससे गहन पूछताछ की जा रही है. पुलिस का कहना है कि मामले में लापरवाही से वाहन चलाने और गैर इरादतन हत्या समेत अन्य गंभीर धाराओं के तहत कार्रवाई की जा रही है. इस दर्दनाक हादसे के बाद भूमिया गांव में शोक का माहौल है और ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है.

30 एमएलडी सीवरेज पाइप लाइन की मरम्मत के पश्चात यातायात बहाल

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 1 फरवरी। भिलाई इस्पात संयंत्र के जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी अनुभाग तथा वर्कशॉप की संयुक्त टीम ने टाउनशिप में नागरिक सुविधाओं को सुचारू बनाए रखने की दिशा में प्रयास करते हुए 30 एमएलडी सीवरेज पाइप लाइन की मरम्मत पूर्ण किया। मरम्मत उपरांत जेपी सीमेंट को जाने वाली सड़क को पुनः यातायात के लिए खोल दिया गया है।

उल्लेखनीय है कि सीवरेज पाइपलाइन में अचानक रिसाव की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। जिसके परिणामस्वरूप सड़क की सतह प्रभावित हुई तथा यातायात संचालन में बाधा आई। सुरक्षा की दृष्टि से प्रशासन द्वारा सड़क के एक हिस्से को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया था।

स्थिति की गंभीरता के दृष्टिगत भिलाई इस्पात संयंत्र के नगर सेवाएँ विभाग के अंतर्गत जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी (पीएचई) अनुभाग, सेक्टर-6 तथा वर्कशॉप की संयुक्त टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए मरम्मत कार्य तत्काल प्रारंभ किया गया। पाइपलाइन को चार्ज किए जाने के उपरांत 30 एमएलडी फिल्टर हाउस तक सीवरेज जल का प्रवाह सामान्य हो गया व टाउनशिप की संपूर्ण सीवरेज प्रणाली पुनः सामान्य रूप से कार्य करने लगी है। मरम्मत कार्य पूर्ण होने के बाद मार्ग को यातायात के लिए पुनः खोल दिया गया है।

मरम्मत कार्य में विभाग के उप महाप्रबंधक डी.सी. सिंह, सहायक महाप्रबंधक पूरनलाल साहू, जूनियर इंजीनियरिंग एसोसिएट सुनील डोंगरे, नितिन कश्यप, चमरू, पुरुषोत्तम रेड्डी, विद्युत विभाग से सहायक महाप्रबंधक ए.के. साहू, चार्जमेन रामकिशुन कोरी, सिविल विभाग से उप प्रबंधक विनोद सिंह राजपूत सहित संविदा श्रमिक शिवकुमार देवांगन, यशवंत, प्रदीप, नागेंद्र, गुड्डू, रोहित एवं दिलेश का सराहनीय योगदान रहा।

समाचार संक्षेप

मुख्य सड़क पर अतिक्रमण के खिलाफ निगम ने की कार्रवाई

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 1 फरवरी। नगर निगम के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देशानुसार शहर में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई लगातार जारी है। इस अभियान का उद्देश्य सड़कों, नालियों एवं सार्वजनिक स्थलों से अतिक्रमण हटाकर आम नागरिकों के आवागमन को सुगम बनाना है। इसी क्रम में जोन-5 अंतर्गत हुड़को क्षेत्र में मुख्य सड़क मार्ग पर दुकानदारों द्वारा दुकानों के सामने शेड लगाकर अतिक्रमण किया गया था, जिससे नागरिकों को भारी परेशानी हो रही थी। निगम एवं पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर अतिक्रमण के विरुद्ध कार्रवाई की गई। शेष दुकानदारों एवं मकान मालिकों को दो दिवस के भीतर स्वयं अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए हैं। निर्धारित समय सीमा में अतिक्रमण नहीं हटाने की स्थिति में निगम द्वारा व्यापक स्तर पर कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई के दौरान सहायक राजस्व अधिकारी अनिल मेश्राम, प्रहलाद लहरे, दुर्योधन साहू, गणित बघेल, टेकराम हरिन्द्रवार, मंगल जांगड़े, गौकरण कुर्रे, राजेन्द्र सिंह, विष्णु प्रसाद सोनी, खेमलाल सहित पुलिस विभाग से वीरेंद्र साहू, विनोद यादव, छोटेलाल सिंह एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

एक नजर

उमंग पाण्डेय के भाजयुमो जिलाध्यक्ष बनने पर कार्यकर्ताओं, समर्थकों में हर्ष

कवर्धा, 1 फरवरी (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण देव एवं युवा भाजयुमो के प्रदेश अध्यक्ष राहुल टिकरिया जी के द्वारा भाजयुमो जिला अध्यक्षों की घोषणा की गयी जिसमे कवर्धा के युवा नेता पूर्व में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से निरंतर छात्र राजनीती करते हुए 2 पंचवर्षीय पार्षद रहे नेता प्रतिपक्ष सभापति रहे उमंग पाण्डेय को जिला अध्यक्ष बनाया गया है, जिला संगठन द्वारा शुक्रवार सुबह यह घोषणा होते ही कार्यकर्ता व युवाओं में उत्साह का वातावरण है चुंकि भाजयुमो जिला अध्यक्ष एक महत्वपूर्ण दायित्व है जिसको जिले के प्रत्येक पार्टी कार्यों की युवाओं की जिमेदारी होती है ऐसे महत्वपूर्ण दायित्व हेतु कई नाम थे पर उमंग पाण्डेय के ऊपर संगठन ने भरोसा जताते हुए इस महत्वपूर्ण कार्य हेतु नियुक्त किया गया उमंग पूर्व में दो बार के पार्षद, सभापति प्रदेश जिला भाजयुमो प्रभारी, के रूप में भी रह चुके है, सामाजिक कार्य, विभिन्न सार्वजनिक आयोजनों में भी उमंग अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे, लम्बे समय से राजनीति में उनकी सक्रिय भूमिका और पार्टी कार्य के कारण उन्हें यह महत्वपूर्ण दायित्व सौपा गया है।

नशीली दवा के साथ युवक गिरफ्तार

भिलाई, 1 फरवरी (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। नशीली दवा के साथ एक युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है मोहन नगर पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर सब्जी मंडी के पास प्रतिबंधित नशीली टेबलेट का अवैध रुप से बेच रहा था पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी नितेश यादव, खुर्शीद आलम को पकड़ा गया तलाशी के दौरान प्रतिबंधित नशीली टेबलेट अल्प्राजोलम के 13 पैकेट, कुल 195 टेबलेट जिसकी कीमत 78 हजार रुपए आंकी गई घटना मोहन नगर थाना क्षेत्र का है दोनों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

सट्टा-पट्टी लिखते युवक गिरफ्तार

भिलाई, 1 फरवरी (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। सट्टा पट्टी लिखते एक युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है पाटन टीआई राजेश मिश्रा ने बताया कि पेट्रोलिंग के दौरान वार्ड – 9 पाटन में सट्टा लिखने की सूचना मिली थी पुलिस मौके पर पहुंची और पाटन निवासी वीरेन्द्र देवांगन को पकड़ा गया उस के पास से पुलिस ने मोबाइल, नगदी 10 हजार 90 रुपए, सट्टा पट्टी से जुड़े कागजात जब्त किया गया आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

हथियार लेकर घूमता युवक गिरफ्तार

भिलाई नगर थाना क्षेत्र के धारदार हथियार लेकर घूमने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है भिलाई नगर टीआई जितेन्द्र वर्मा ने बताया कि सेक्टर–6 ई–मार्केट, बीएसपी अस्पताल गेट के सामने धारदार हथियार लहराकर घूम रहा था भिलाई नगर थाने पुलिस टीम मौके पर पहुंची और आरोपी को पकड़ा गया पूछताछ में आरोपी सेक्टर–06 तेलगू पारा, भिलाई नगर निवासी राजकिशोर राम उर्फबबुआ अपना नाम बताया है तलाशी लेने पर युवक के पास से धारदार तलवार, अन्य धारदार हथियार जप्त किया।

15 किलो से अधिक गांजा के साथ तीन अंतरराज्यीय तस्कर गिरफ्तार

कबीरधाम पुलिस की बड़ी कार्रवाई, जब्त माल की कीमत साढ़े सात लाख रुपए

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा, 1 फरवरी। पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह (भा.पु.से.) द्वारा जिले में मादक पदार्थों के विरुद्ध सख्त और निरंतर कार्रवाई के स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। इन निर्देशों के तहत कबीरधाम पुलिस द्वारा लगातार प्रभावी अभियान चलाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र बघेल एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित पटेल के मार्गदर्शन तथा अनुविभागीय अधिकारी पुलिस संजय ध्रुव के पर्यवेक्षण में थाना चिल्फी द्वारा क्षेत्र में सघन वाहन चेकिंग और निगरानी की जा रही थी। इसी क्रम में 31 जनवरी 2026 को की गई कार्रवाई में अंतरराज्यीय गांजा तस्करी के एक सुनियोजित नेटवर्क का पर्दाफाश करते हुए बड़ी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ जप्त कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

31 जनवरी को थाना चिल्फी द्वारा वाहन चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध टाटा जेस्ट कार सफेद रंग क्रमांक CG-18-M-1456 को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान वाहन में रखे तीन पिट्ठू बैगों से कुल 15 पैकेट अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद किया गया, जिसका कुल वजन 15.480 किलोग्राम पाया गया। जप्त गांजा की कुल कीमत 7,75,000 रुपये है।

मौके पर ही तीनों आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जिसमें सुनियोजित अंतरराज्यीय गांजा तस्करी का खुलासा हुआ। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि महताब अहमद एवं मो. रासिक बस अथवा ट्रेन के माध्यम से उड़ीसा के सोनपुर जाते थे, जहां से गांजा लेकर रायपुर आते थे। रायपुर में रहने वाला इमाम खान, जो टैक्सी परमिट वाहन चालक है, तय योजना के अनुसार गांजा को अपने वाहन से हमीरपुर उत्तरप्रदेश ले जाता था। वहां गांजा को छोटी-छोटी पुड़ियों में बेचकर अवैध लाभ अर्जित किया जाता था। पूछताछ में यह भी सामने आया है कि पूर्व में भी इसी तरीके से गांजा की तस्करी की जा चुकी है। इस संपूर्ण कार्यवाही में थाना चिल्फी प्रभारी निरीक्षक लालजी सिन्हा एवं टीम की सतर्कता एवं सक्रियता की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्रवाई में सउनि दर्शन साहू, आरक्षक 553 पंकज यादव, 164 अमन वाहने, 07 दिलीप जायसवाल, 472 सुनील मरावी एवं 159 पप्पू पनागर द्वारा सराहनीय योगदान दिया गया। आरोपियों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है तथा तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य व्यक्तियों की पतासाजी जारी है।

प्रकरण में गिरफ्तार आरोपी

- » इमाम खान पिता वाहिद खान उम्र 40 वर्ष, निवासी सिचौली पुरवा (पानी टंकी के पास), वार्ड नंबर 19, मौदहा, थाना मौदहा, जिला हमीरपुर, उत्तरप्रदेश
- » महताब अहमद पिता इकबाल अहमद उम्र 25 वर्ष, निवासी हिमौली, तहसील मौदहा, जिला हमीरपुर, उत्तरप्रदेश
- » मो. रासिक पिता मो. रजा उर्फराजू उम्र 29 वर्ष, निवासी अशोक विहार फेस-3, शीतला कॉलोनी, गुड़गांव, हरियाणा, हाल पता सुभाष नगर, मौदहापारा, ढेबर स्टील के पास, थाना मौदहापारा, जिला रायपुर।

जब्त की गई सामग्री

- » टाटा जेस्ट कार सफेद रंग क्रमांक छ्त्ग-18-रू1456, अनुमानित कीमत 5, 00, 000 रुपये
- » अवैध मादक पदार्थ गांजा 15.480 किलोग्राम, अनुमानित कीमत 7, 75, 000 रुपये
- » एक विवो कंपनी का एंड्रॉयड मोबाइल फोन, कीमत लगभग 5, 000 रुपये
- » एक वनप्लस कंपनी का एंड्रॉयड मोबाइल फोन, कीमत लगभग 5, 000 रुपये
- » एक विवो कंपनी का एंड्रॉयड मोबाइल फोन, कीमत लगभग 10, 000 रुपये

इस प्रकार आरोपियों के संयुक्त कब्जे से कुल जुमला संपत्ति लगभग 12,95,000 रुपये को समक्ष गवाहों के मुताबिक जप्ती पत्रक के तहत जप्त किया गया।

सेवानिवृत्त होने पर भृत्य भोला को दी गई विदाई

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 1 फरवरी। जिला जनसंपर्क कार्यालय में लंबे समय तक अपनी सेवाएँ देने वाले भृत्य भोला सिंह यादव अपनी अधिवार्षिकी आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त हो गए। इस अवसर पर जनसंपर्क परिवार द्वारा उनके सम्मान में एक आत्मीय विदाई समारोह का आयोजन किया गया। यादव का शासकीय सेवाकाल वर्ष 1992 में मध्यप्रदेश राज्य परिवहन निगम से प्रारंभ हुआ था। वर्ष 2002 में छत्तीसगढ़ राज्य में परिवहन निगम के बंद होने के पश्चात वे जनसंपर्क विभाग में पदस्थ होकर निरंतर सेवाएँ देते रहे।

विदाई समारोह में यादव अपनी धर्मपत्नी के साथ उपस्थित रहे। इस अवसर पर संयुक्त संचालक एम.एस. सोरी सहित समस्त कार्यालयीन कर्मचारियों ने उनके सेवाकाल के संस्मरण साझा किए। उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उनके समर्पित सेवाकाल की सराहना करते हुए उत्तम स्वास्थ्य एवं सुदीर्घ जीवन की शुभकामनाएं दीं। सम्मान स्वरूप यादव को शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर भावभीनी विदाई दी गई।

बजट में कृषि, उद्योग, रोजगार व शिक्षा के लिए कोई ठोस प्रावधान नहीं: भूपेश

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 1 फरवरी। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने दौरे पर निकलने से पहले भिलाई निवास में मीडिया से चर्चा करते हुए केंद्र सरकार के बजट पर तीखा हमला बोला। उन्होंने बजट को बेहद निराशाजनक बताते हुए कहा कि इसका असर प्रतिगामी नजर आ रहा है और इसमें कृषि, उद्योग, रोजगार और शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लिए कोई ठोस प्रावधान नहीं किया गया है पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि बजट में आम जनता, खासकर मिडिल क्लास के लिए कुछ भी नया नहीं है।

टैक्स स्लैब पहले जैसा ही रखा गया है, जिससे लोगों को राहत मिलने की उम्मीद टूट गई है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि इस बजट में शराब महंगी हो गई है और मछली सस्ती, लेकिन देश के विकास को लेकर कोई ठोस दिशा दिखाई नहीं देती। उनके मुताबिक बजट पेश होने के बाद शेयर मार्केट का नीचे गिरना भी इसकी निराशाजनक स्थिति को दर्शाता है।पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने किसी भी राज्य को विशेष लाभ नहीं दिया और छत्तीसगढ़ को अडानी के भरोसे छोड़ दिया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और गृहमंत्री जब भी छत्तीसगढ़ आते हैं, तो अडानी के लिए योजनाएं बनाने पर ज्यादा ध्यान दिया जाता है शराब के मुद्दे पर बघेल ने कहा कि प्रदेश में अवैध शराब की बिक्री और निर्माण को बढ़ावा मिल रहा है। वहीं धान खरीदी को लेकर उन्होंने डबल इंजन सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार समय पर खरीदी नहीं कर पाई, तारीख निकल गई और किसान सड़कों पर उतरने को मजबूर हुए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि छोटे किसानों से जबरन समर्पण कराया गया, जबकि बड़े किसानों को टोकन तक नहीं मिल पाए।

स्वतंत्रता सेनानी घनाराम तिवारी की जयंती पर कवि सम्मेलन आयोजित

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

पाटन, 1 फरवरी। ग्राम छाटा सेलुद) में गणतंत्र दिवस तथा स्वतंत्रता सेनानी घनाराम तिवारी जयंती के अवसर पर ग्राम वासियों द्वारा जागृति साहित्य समिति उतई के बैनर तले कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। शुरुआत स्वतंत्रता सेनानी घनाराम तिवारी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए की गई। मंच संचालन कवि डॉ. रमाशंकर सोनी ने किया। कवि सम्मेलन का शुभारंभ संतोष चंद्राकर ने बांसुरी की मधुर धुन अरपा पैरी के धार एवं सरस्वती वंदना से किया। मन्नूलाल यदु ने सिंदूर पर आधारित गीत प्रस्तुत किया। ओमवीर करन ने अपनी शेरो-शायरी से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। रघुनाथ देशमुख ने वीर रस कविता से देशभक्ति की भावना जागृत की। यशवंत यदु ने अपनी व्यंग्यात्मक रचना से श्रोताओं को खूब गुदगुदाया। सूर्यकांत प्रचंड ने देश के लिए गांव की महत्ता को अपनी रचना के माध्यम से प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। डॉ. यशवंत यश सूर्यवंशी ने छंदों में वीर रस एवं व्यंग्य से भरपूर कविताओं से खूब वाहवाही लूटी। बिसरुराम कुर्रे ने नेताओं एवं घूसखोरी पर आधारित हास्य व्यंग्य से ठहाके लगवाए। मनोज वैष्णव ने श्रृंगार रस की युगल प्रेम रचना से श्रोताओं के चेहरे पर मुस्कान बिखेरी। उत्तम देवहरे ने आज की पीढ़ी की भाषा शैली को काव्यात्मक अंदाज में प्रस्तुत किया। संतोष यादव ने वर्तमान शिक्षा नीति पर कटाक्ष करते हुए संस्कारों पर जोर दिया। ग्राम सरपंच कौशल चेलक ने सभी कवियों, साहित्यकारों एवं ग्रामीणों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों से राष्ट्रीय चेतना जागृत होती है और ऐसे मंच हर जगह आयोजित होने चाहिए। कार्यक्रम में ग्राम सहायक राजेन्द्र कुमार, भूषण लाल वर्मा, केजूराम चेलक, सोहन लाल साहू, शिवकुमार पटेल, राकेश साहू, भारत वर्मा, बुधराम साहू, केजुराम हिरवानी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

सेवानिवृत्ति पर प्रबंधन ने दी 71 कर्मचारियों को विदाई

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 1 फरवरी। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र की सेवा से जनवरी माह 2026 में कुल 71 कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए, जिसमें खदान बिरादरी के 05 सदस्यों सहित 9 कार्यपालक व 57 गैर-कार्यपालक शामिल हैं। कार्यपालकों हेतु विदाई समारोह का आयोजन इस्पात भवन स्थित निदेशक प्रभारी सभागार में किया गया।

निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र ने कार्यपालकों को सेवानिवृत्ति आदेश प्रदान किया तथा उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए उन्हें स्वस्थ एवं सुखद भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्यपालक निदेशक प्रवीण निगम, कार्यपालक निदेशक पवन कुमार, कार्यपालक निदेशक प्रबीर कुमार सरकार, कार्यपालक निदेशक राकेश कुमार, कार्यपालक निदेशक कमल भास्कर तथा कार्यपालक निदेशक अरुण कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ के ठाकुर उपस्थित रहे। निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र ने सेवानिवृत्त हो रहे अधिकारियों से संवाद कर संयंत्र के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में उनके अनुभव और सुझाव आमंत्रित किए, जिन पर निदेशक प्रभारी एवं कार्यपालक निदेशकों ने विस्तार से चर्चा की। 31 जनवरी को भिलाई निवास में आयोजित समारोह में संयंत्र के गैर-कार्यपालकों को भावभीनी विदाई दी गई। भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्यकारी कार्यपालक निदेशक तुषार कांत, महाप्रबंधक प्रभारी जे. एन. ठाकुर और उप महाप्रबंधक राजेंद्र प्रसाद ने कार्मिकों को सेवानिवृत्ति आदेश प्रदान किया।

महिला थाना ने अभिव्यक्ति एप अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन कर

बच्चों, शिक्षिकाओं व महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति किया जागरूक

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा, 1 फरवरी। पुलिस अधीक्षक कबीरधाम धर्मेन्द्र सिंह के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र सिंह बघेल एवं अमित पटेल के मार्गदर्शन में तथा उप पुलिस अधीक्षक अंजू कुमारी के पर्यवेक्षण में महिला थाना कवर्धा द्वारा आज दिनांक 31 जनवरी 2026 को स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय, कवर्धा में अभिव्यक्ति एप के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय में उपस्थित छात्र-छात्राओं एवं शिक्षिकाओं को महिला एवं बाल सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी गई। बाल विवाह की रोकथाम एवं इसके दुष्परिणाम, साइबर अपराध, ऑनलाइन ठगी तथा ठगी की स्थिति में 1930 हेल्पलाइन की जानकारी, पोक्सो एक्ट, दहेज प्रथा एवं घरेलू हिंसा से संबंधित कानूनी प्रावधान, छेड़छाड़, गुड टच व बैड टच की पहचान ओर अभिव्यक्ति एप, पीड़ित क्षतिपूर्ति योजना एवंटोनही प्रताड़ना, नशा मुक्ति एवं यातायात नियमों के पालन की जानकारी। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों, शिक्षिकाओं एवं महिलाओं को उनके अधिकारों और सुरक्षा उपायों के प्रति जागरूक करना रहा।

कार्यक्रम में महिला थाना कवर्धा से निरीक्षक भुवनेश्वरी साहू, महिला प्रधान आरक्षक मां कुमारी राज, महिला आरक्षक पूर्णिमा सुमन, कामिनी चंद्रवंशी, तीजन मरकाम, विधिक सलाहकार अरविंद सिंह उपस्थित रहे। विद्यालय स्तर पर प्राचार्य आर.पी. सिंह, व्याख्याता आनंद शर्मा सहित शिक्षिका पूर्णिमा साहू, सीता तंबोली, गिरजा साहू, वंदना पालकर एवं अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं।

मां की जमीन, मकान को बेटे ने दोस्त के साथ मिलकर बेच दिया

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 1 फरवरी। मां के जमीन व मकान को बेटा और उसके दोस्त ने मिलकर साजिश के तहत लाखों रुपए का ठगी कर दिया। शिकायत पर पुलिस ने दोनों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है अमलेश्वर पुलिस ने बताया कि अमर चौक शर्मा बाड़ा राजातालाब रायपुर निवासी मनोराम भिवंडे का प्रीति विहार के सामने अमलेश्वर में 1420 वर्गफीट में जमीन है। जिसमें मकान बनाई है पैसे की जरुरत पड़ने पर बेटा प्रवीण भिवंडे और उसका दोस्त पारस प्रसाद केसरी को लोन निकालने के लिये ऋण पुस्तिका, रजिस्ट्री पेपर दिया था।

दस्तावेज को फोटो कापी कर वापस देना के लिए बोला गया था साजिश कर जमीन एवं मकान को पीड़िता के अनुपस्थिति में बगैर जानकारी के विभोर गुप्ता के पास फर्जी तरीका से बेच दिया 16 जनवरी 2026 को इसकी जानकारी पीड़िता को हुई विभोर गुप्ता मकान में काम करवा रहा था पूछने पर प्रवीण भिवंडे एवं पारस प्रसाद केसरी ने मकान को बेचना बताया इस तरह से दोनों ने ठगी किया पीड़िता ने जिसकी लिखित में शिकायत अमलेश्वर थाने पुलिस से किया गया दोनों ने मिलकर फर्जी दो इकरारनामा बनाकर ठगी किया उक्त मकान (संपत्ति) में रेत एवं सीमेंट लाकर निर्माण करने की जानकारी 17 जनवरी को मिली पुत्र प्रवीण भिवंडे, पारस प्रसाद केसरी ने मिलकर मकान को विभोर गुप्ता से 17 लाख रुपए का इकरारनामा किया अग्रिम राशि 5.50 लाख नकद अपने पास रख लिए है उसका इकरारनामा पुत्र प्रवीण भिवंडे, पारस प्रसाद केसरी ने संजना पाण्डेय से 18 लाख में तय कर 7.50 लाख रूपए खाते से प्राप्त किया।

एक नजर

भारत के हर युवा में हो राम की छविः सुषमा गर्ग

रायपुर 1 फरवरी। बच्चों तथा युवाओं को धर्म के मार्ग पर चलने तथा सनातन धर्म के शास्त्रों से अवगत कराने के लिए कैपिटल होम फेस 1 तथा हर्ष विहार कॉलोनी की महिलाओं ने अनुकरणीय पहल करते हुए कैपिटल होम शिव मंदिर पर रामायण पाठ का आयोजन किया सनातन पर चर्चा करते हुए उन्होंने युवाओं को भगवान राम के पद चिन्हों पर चलने के लिए प्रेरित करते हुए सुषमा गर्ग तथा उनकी मंडली ने हर युवा को अपने मन में राम की छवि जागृत करने का आव्हान करने के साथ ही बताया कि भगवान राम को मर्यादा पुरुषोत्तम इसलिए कहा जाता है कि संस्कृत में मर्यादा का अर्थ है सम्मान और धर्म, पुरुषोत्तम का अर्थ है सर्वोच्च पुरुष उन्होंने अपने जीवन के हर पहलू पुत्र पिता राजा मित्र में धर्म सत्य और मर्यादा का सर्वोच्च पालन किया। महिलाओं ने श्री राम के आदर्श होने के कारण बताने के साथ ही वर्तमान समय में बढ़ रहे वृद्धा आश्रमों पर गहन चिंतन व्यक्त करते बच्चों तथा युवाओं को संयुक्त परिवार तथा माता-पिता के महत्व को शास्त्रों के माध्यम से समझाने का प्रयास किया उक्त कार्यक्रम में सैकड़ो महिलाओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज की जिसके उपरांत एक स्वर में रामधून का जाप करते हुए प्रसाद वितरण किया।

सीईओ जिला पंचायत ने लंबित एवं निर्माणाधीन आवासों का किया निरीक्षण

राजनांदगांव 1 फरवरी। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह ने आज जनपद पंचायत राजनांदगांव के ग्राम टेड़ेसरा एवं सुरगी तथा जनपद पंचायत डोंगरगांव के ग्राम कुभटगांव एवं संबलपुर में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण अंतर्गत लंबित एवं निर्माणाधीन आवासों का निरीक्षण किया। उन्होंने योजना अंतर्गत लंबित आवास निर्माण के हितग्राहियों से चर्चा कर आवास निर्माण को शीघ्र पूर्ण करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने अधिकारियों को लंबित आवास निर्माण को पूर्ण कराने के लिए हितग्राहियों को आवश्यक सहयोग प्रदान करने कहा। साथ ही ग्राम रोजगार सहायक को निरंतर मानव दिवस सृजित करने निर्देशित किया। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत समय-सीमा में आवास निर्माण पूर्ण कराने वाले हितग्राहियों को ग्राम पंचायत में कार्यक्रम आयोजित कर सम्मानित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किस्त राशि आवास निर्माण के अनुरूप प्राप्त होगी। सीईओ जिला पंचायत को हितग्राहियों ने योजना अंतर्गत किस्त की राशि प्राप्त होने की जानकारी दी। निरीक्षण के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण से तकनीकी सहायक, आवास नोडल अधिकारी, आवास योजना के कर्मचारी तथा ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक एवं आवास मित्र सहित ग्रामीण उपस्थित थे।

धान खरीदी और जब्ती मामले में प्रदेश में पहले पायदान पर रहा महासमुंद जिला

महासमुंद, 1 फरवरी। खरीफविपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत जिला महासमुंद में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य कलेक्टर श्री विनय लंगेह के मार्गदर्शन में सुव्यवस्थित एवं सफ्लतापूर्वक संपन्न हुआ। जिले में स्थापित 182 धान उपार्जन केंद्रों के माध्यम से कुल 10,00,187.16 मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई, जो प्रदेश में सर्वाधिक रही। शासन द्वारा जिले के लिए 11,93,570.00 मीट्रिक टन धान खरीदी का अनुमानित लक्ष्य निर्धारित किया गया था। गत खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में जिले में 11,04,273.24 मीट्रिक टन धान की खरीदी हुई थी। इस प्रकार गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष 9.43 प्रतिशत कम धान खरीदी दर्ज की गई। इस वर्ष धान खरीदी हेतु जिले में 1,60,118 किसान पंजीकृत थे, जिनमें से 1,48,418 किसान (92.69 प्रतिशत) ने खरीदी अवधि के दौरान अपना धान विक्रय किया, जो राज्य के औसत 91.22 प्रतिशत से अधिक है। वहीं जिले में 1,09,676 पंजीकृत कृषकों द्वारा धान विक्रय के पश्चात 9,883.24 हेक्टेयर रकबा का समर्पण कराया गया। अवैध धान परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी नियंत्रण हेतु कलेक्टर श्री विनय लंगेह के निर्देशन में राजस्व, खाद्य, मंडी एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा सतत निगरानी की गई।

पढ़ाई में कमजोर छात्रों के लिए जिले में शुरू की गई है जोन कोचिंग

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 1 फरवरी। राजनांदगांव जिले में पढ़ाई में कमजोर छात्र जिनका परीक्षा परिणाम अर्धवार्षिक और प्री बोर्ड में बेहतर नहीं रहा तथा जो एक विषय से अधिक विषय में अनुत्तीर्ण रहे, जो नियमित रूप से स्कूल नहीं आते रहे हैं, ऐसे छात्रों को लेकर जिला प्रशासन की ओर से एक कार्ययोजना तैयार की गई है। इसी कड़ी में आज से 4 दिन तक कलेक्टर श्री जितेंद्र यादव के मार्गदर्शन में शिक्षकों की टीम द्वारा जिले के 24 स्थानों पर जोन बनाकर इन कमजोर छात्रों को परिणाम बेहतर करने की तैयारी कराई जा रही है। इसके सफ्ल क्रियान्वयन के लिए जिला पंचायत सीईओ सुश्री सुरूचि सिंह के निर्देशन में शिक्षा विभाग की टीम द्वारा निरंतर कार्य किया जा रहा है। जिला शिक्षा अधिकारी श्री प्रवास कुमार सिंह बघेल ने बताया कि शिक्षकों की टीम द्वारा जिले के 24 स्थानों पर जोन बनाकर पढ़ाई में कमजोर छात्रों को परिणाम बेहतर करने की तैयारी कराई जा रही है।

उल्लेखनीय है कि गत दिनों कलेक्टर श्री जितेंद्र यादव द्वारा प्री बोर्ड के परिणामों को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई थी। जिसमें कमजोर परीक्षा परिणाम को लेकर प्राचार्य के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। इसी कड़ी में जिला शिक्षा अधिकारी ने रणनीति बनाकर कार्ययोजना के साथ विशेषज्ञों की टीम की बैठकों द्वारा जिले के 24 स्थान पर जोन बनाकर बच्चों को पढ़ाई कराई जाएगी। कमजोर बच्चों को गणित, विज्ञान और अंग्रेजी जैसे कठिन विषयों में जिसमें ज्यादातर बच्चे फेल हुए हैं। उन विषयों की तैयारी बेहतर तरीके से कराई जाएगी। जिसके अंतर्गत गत 5 वर्षों के प्रश्न पत्र, ब्लूप्रिंट पर आधारित प्रश्न एवं जिले द्वारा तैयार किया गया प्रश्न बैंक जिसमें परीक्षा में आने वाले प्रश्नों की श्रृंखला है इस पर आधारित तैयारी ही कराई जाएगी, ताकि बच्चों को पढ़ाई के लिए सही मार्गदर्शन मिल सके और जिले का परिणाम बेहतर हो सके। जोन कोचिंग के लिए विकासखंड स्तर पर नोडल अधिकारी एवं मॉनिटरिंग हेतु टीम बनाई गई है। शिक्षा विभाग के ओआईसी डिप्टी कलेक्टर श्री विश्वास है। विकासखंड शिक्षा अधिकारी के नेतृत्व में टीम कार्य करेगी। इसके अतिरिक्त जिले से प्राचार्यों की टीम बनाई गई है, जिनके द्वारा भी अलग-अलग जोन में जाकर इस कोचिंग के निरीक्षण एवं कोचिंग में शामिल होने वाले बच्चे और उनके पालकों से तैयारी को लेकर बात की जाएगी। साथ ही जिले के अधिकारियों की टीम को भी जोन कोचिंग के निरीक्षण की जिम्मेदारी दी गई है। कोचिंग के लिए बनाए गए 24 जोन में से 21 जोन में आज अध्यकोचिंग कार्य संपन्न कराया गया। 3 जोन में परीक्षा व्यापम द्वारा ली जा रही है, इस वजह से यहां पर कोचिंग का संचालन 2 फ्रवरी से किया जाएगा। कल 2281 विशेष छात्रों में से आज जोन कोचिंग में 1560 बच्चों की उपस्थिति रही। कुल 91 शिक्षकों ने कोचिंग का संचालन किया।

जिले के 157367 किसानों से 7 लाख 91 हजार मीट्रिक टन धान खरीदी

- किसानों को धान के एवज में 1679 करोड़ का हुआ भुगतान
- कोचियों एवं बिचौलियों से 9057 क्विंटल अवैध धान जब्त
- निर्विवाद एवं सुचारु ढंग से धान खरीदी होने पर कलेक्टर ने जताया आभार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 1 फरवरी। कलेक्टर दीपक सोनी के मार्गदर्शन में लगभग ढाई महीने तक चले धान खरीदी महाभियान 30 जनवरी 2026 को जिले में शांति एवं सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न हो गया। खरीफविपणन वर्ष 2025- 26 मे 15 नवम्बर से प्रारंभ हुई धान खरीदी के तहत जिले में 157367 किसानों से 791000 में मेट्रिक टन धान खरीदी किया गया जो पंजीकृत किसानों का 94.14 प्रतिशत है। धान खरीदी के एवज में इन किसानों को शासन द्वारा 1679 करोड़ रुपए का भुगतान सुनिश्चित किया गया है।समय पर भुगतान होने से किसानों को आर्थिक रूप से संबल मिला है।

खाद्य अधिकारी पुनीत वर्मा ने बताया कि जिले में 1 लाख 67 हजार 121 किसान पंजीकृत थे जिसमें से कुल 166 धान उपार्जन केन्द्रों के माध्यम से 157367किसानों ने 7 लाख 91हजार मेट्रिक टन धान बेचा है। अब तक 279255 मेट्रिक टन धान का उठाव कर लिया गया है। धान खरीदी के दौरान प्रशासन द्वारा उपार्जन केंद्रों में किसानों की सुविधाओं क विशेष ध्यान रखा गया जिससे किसानों को धान बेचने में कोई दिक्कत नहीं हुई। प्रशासन की व्यवस्था से किसानो में हर्ष का माहौल रहा।

जिला प्रशासन द्वारा किसानों की समस्याओं का त्वरित निराकरण और रकबा समर्पण अभियान के दौरान जिले के 135569किसानों ने स्वेच्छा से 10813 हेक्टेयर रकबे का समर्पण किया। कलेक्टर दीपक सोनी के निर्देश पर संयुक्त टीम द्वारा कोचियों और बिचौलियों पर कड़ी निगरानी एवं उपार्जन केंद्रों में नोडल अधिकारियो की मौजूदगी से अवैध धान पर सख्त कार्यवाही की गई। इसके साथ ही थोक विक्रेताओं, पोहा एवं राइस मिलो का भौतिक सत्यापन किया गया।अवैध धान खपाने वालों के खिलाफकुल 210 प्रकरण दर्ज किए गए जिसमें 9057 क्विंटल धान जब्त किए गए। इस वर्ष शासन द्वारा उपयोग किए गए सतर्क एप के माध्यम से रियल टाइम मॉनिटरिंग की गई जिससे परिवहन और खरीदी में होने वाली किसी भी अनियमितता पर तत्काल लगाम कसी गई।प्रबंधको ऑपरेटरों, नोडल अधिकारी की साप्ताहिक बैठके लेकर आगामी कार्ययोजना बनाई गई और उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को सम्मानित कर उनका मनोबल भी बढ़ाया गया। कलेक्टर श्री सोनी ने जिलें मे निर्विवाद एवं शांतिपूर्ण धान खरीदी होने संपन्न होने पर खरीदी में लगे विभिन्न विभागों के सभी मैदानी कर्मचारी, अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशो के अनुरूप धान खरीदी में किसी भी किसान को कोई तकलीफन हो इसका मैदानी कर्मचारियों ने विशेष ध्यान रखा। सभी ने बहुत मेहनत किया जिसका ही परिणाम है कि धान खरीदी में कोई बड़ी समस्याओं का सामना जिले में नहीं करना पड़ा। किसानों के लिए बारदानों से लेकर पीने की पानी एवं छाया तक की व्यवस्था सुचारू रूप से किया गया था।

विद्युत विभाग ने रजत जयंती समारोह का आयोजन किया

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

सिमगा 1 फरवरी। उपसंभाग सिमगा अंतर्गत छत्तीसगढ़ प्रदेश के गठन के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर विद्युत विभाग सिमगा द्वारा विद्युत कंपनी की ओर से भव्य रजत जयंती समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विभाग प्रमुख कार्यपालन अभियंता भाटापार, सहायक अभियंता सिमगा, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के ब्रांच मैनेजर सिमगा, पार्षद प्रियंका अनुप तिवारी सहित विद्युत विभाग के कर्मचारीगण एवं बड़ी संख्या में विद्युत उपभोक्ता उपस्थित रहे। समारोह के दौरान छत्तीसगढ़ प्रदेश की 25 वर्षों की विकास यात्रा और विद्युत विभाग की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया। विभाग द्वारा उपभोक्ताओं के सहयोग और विश्वास के प्रति आभार व्यक्त करते हुए 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर अनुप तिवारी, नवीन कुमार वर्मा, सुनीता कोसले, स्मिता शर्मा, रामदयाल ध्रुव, राजेंद्र वर्मा, भरत लाल साहू, अजय कुमार ठाकुर, धर्मेंद्र नायक, बलभद्र नायक , पोमेश साहू सहित अन्य उपभोक्ताओं को प्रशस्ति पत्र वितरित कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

आंतरिक शिकायत समिति गठित नहीं करने पर लगेगा जुर्माना

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 1 फरवरी। ऐसे सभी शासकीय एवं अशासकीय संस्थाओं में महिलाओं को सुरक्षित वातावरण प्रदान करने के लिए कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम 2013 की धारा 4 अनुसार आंतरिक शिकायत समिति का गठन कर शी- बॉक्स पोर्टल में ऑनबोर्ड किया जाना अनिवार्य है।किसी भी शासकीय या प्राईवेट संस्थान द्वारा आंतरिक शिकायत समिति का गठन कर शी-बॉक्स पोर्टल में ऑनबोर्ड नहीं किये जाने की स्थिति में अधिनियम की धारा 26 अनुसार 50000 रूपये जुर्माना का भी प्रावधान है।

शासन के निर्देशानुसार महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 19 जनवरी से 29 जनवरी तक अलग-अलग जगहो जिसमें भाटापारा के विशाल मेगा मार्ट, सुमीत बाजार, ट्रेडस, आशीष कलेक्शन तथा उद्योगिक संस्थाओं के मालिक एवं एसोसिएशन सदस्यो के साथ बैठक की गई इसी प्रकार विकासखंड पलारी के शुभम के मार्ट, बलौदाबाजार के हाट बाजारो में एवं जिला पंचायत संसाधन केन्द्र में सरपंचो को एवं लगभग 497 प्राईवेट संस्थाओं व्हॉट्सप ग्रुप बनाकर जोड़ा गया और उनको अधिनियम की जानकारी देते हुए आंतरिक शिकायत समिति गठन करने एवं पोर्टल में ऑनबोर्ड किये जाने हेतु प्रेरित किया गया। अभी तक जिले के 242 शासकीय कार्यालय तथा 248 प्राईवेट संस्थाओं में आंतरिकत शिकायत समिति का गठन किया गया है। ऐसे प्रकरण जिसकी शिकायत नियोक्ता के विरूद्ध हो या अपील करनी हो तो इसके लिए जिले में स्थानीय शिकायत समिति भी कार्यशील है।

रायपुर नगर निगम ने अवैध कालोनियों पर कसा शिकंजा

- अधिग्रहण प्रक्रिया प्रारंभ, अधिग्रहण के दौरान किसी भी प्रकार की गतिविधि पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी
- नगर निगम रायपुर की नागरिकों से विनम्र अपीलः- इन क्षेत्रों में किसी भी प्रकार का निवेश करने से पहले भूमि की वैधानिक स्थिति की पूर्ण जाँच कर लें

रायपुर 1 फरवरी। राजधानी शहर रायपुर में अनियोजित विकास और अवैध कॉलोनियों पर शिकंजा कसते हुए नगर पालिक निगम रायपुर ने हीरापुरङ्कजरवाय एवं सोनडोंगरी क्षेत्र में अनेक खसरों की भूमियों को अवैध कॉलोनी के रूप में चिह्नित किया है। रायपुर नगर पालिक निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि इन समस्त खसरा नंबरों की भूमि का अधिग्रहण रायपुर नगर पालिक निगम द्वारा किया जा रहा है और इस प्रक्रिया के दौरान किसी भी प्रकार की गतिविधि पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी। रायपुर नगर पालिक निगम द्वारा जारी सार्वजनिक सूचना के अनुसार हीरापुर/जरवाय क्षेत्र में बीरेंद्र सिंह व लक्ष्मी सिंह, दीपु प्रसाद एवं परागा बाई, राहुल शर्मा सहित अन्य भूस्वामियों के नाम दर्ज खसरा नंबर 86/13, 87/4, 87/5, 88/3, 89/5, 90/2, 84/3, 84/4, 84/1 आदि भूमि अवैध कॉलोनी की श्रेणी में पाई गई है। इसी प्रकार सोनडोंगरी क्षेत्र में अरुण झा, गजानंद मेश्राम, राजकुमार शर्मा तथा अन्य के नाम दर्ज खसरा नंबर 272/1, 272/2, 317, 318, 322, 331, 332, 333, 256/1, 256/2, 258/1, 261/1, 261/2 सहित कई भूखंडों को भी अवैध कॉलोनी घोषित किया गया है।

रायपुर नगर पालिक निगम ने स्पष्ट करते हुए कहा है कि अधिग्रहण प्रक्रिया के दौरान यदि कोई भी व्यक्ति किसी प्रकार का निर्माण कार्य करता है, अतिरिक्त कब्ज़ा करता है अथवा क्रय-विक्रय करता है, तो उससे उत्पन्न समस्त आर्थिक क्षति एवं विधिक परिणामों के लिए संबंधित व्यक्ति स्वयं जिम्मेदार रहेगा। इस संबंध में रायपुर नगर पालिक निगम प्रशासन जिम्मेदार नहीं रहेगा। रायपुर नगर पालिक निगम के अधिकारियों के अनुसार यह कार्यवाही राजधानी शहर रायपुर में अवैध प्लॉटिंग, बिना अनुमति निर्माण और आम नागरिकों को भ्रमित कर भूमि बिक्री जैसे मामलों पर कारगर अंकुश लगाने के लोकहितकारी उद्देश्य से की गई है। रायपुर नगर पालिक निगम ने सभी नागरिकों से विनम्र अपील की है कि वे इन क्षेत्रों में किसी भी प्रकार का निवेश करने से पहले भूमि की वैधानिक स्थिति की पूर्ण जांच कर लें। रायपुर नगर पालिक निगम द्वारा अवैध कॉलोनियों के विरुद्ध अभियान आगे भी जारी रहेगा और भविष्य में ऐसे मामलों में और भी सख्त कदम उठाए जा सकते हैं।

दिव्यांग वेलफेयर एसोसिएशन ने गोल्ड मेडल जीतने पर ऋषि मिश्रा का सम्मान किया

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिंड/रायपुर 1 फरवरी। हैंडिहोप दिव्यांगजन वेलफेयर एसोसिएशन के छत्तीसगढ़ प्रभारी और 80त्न दिव्यांगता के बावजूद अपनी इच्छाशक्ति से पैरा खेलों में सक्रिय ऋषि मिश्रा को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया है। हाल ही में रायपुर में आयोजित 16वीं छत्तीसगढ़ राज्य-स्तरीय पैरा एथलेटिक्स प्रतियोगिता (जनवरी 2026) में उन्होंने शानदार खेल दिखाते हुए भाला फेंक एवं तवा फेंक प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक तथा गोला फेंक में रजत पदक अपने नाम किया। संस्था के अध्यक्ष दीपक कुमार द्विवेदी ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि ऋषि मिश्रा न केवल खेल के मैदान में बल्कि दिव्यांगजनों के अधिकारों की लड़ाई में भी संस्था के एक मजबूत स्तंभ हैं। उन्हें हाल ही में मेरठ में 'राष्ट्रीय दिव्यांग रत्न' सम्मान से भी नवाजा गया है। ऋषि मिश्रा की यह सफ्लता उन सभी दिव्यांगजनों के लिए प्रेरणा है जो शारीरिक चुनौतियों के आगे हार मान लेते हैं।

नाले पर अतिक्रमण की शिकायत पर पालिका मौन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

डोंगरगढ़ 1 फरवरी। डोंगरगढ़ मुख्य सड़क पर नाले पर अवैध अतिक्रमण की खबर सामने आई है, जिसे लेकर वार्ड वासियों में आक्रोश देखा जा रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार इस अतिक्रमण को नगर पालिका के अधिकारी देख रहे हैं, परन्तु कोई कार्रवाई नहीं कर रहे। वार्ड क्रमांक 2 में मुख्य सड़क के पास एक पाइप फैक्ट्री के पास नाले पर अवैध अतिक्रमण कर रोड और नाले की जमीन पर कब्जा कर लिया गया है। जिसे देखने वाले दूर दूर तक दिखाई नहीं पड़ रहे है।स्थानीय लोगों का कहना है कि बरसात के दिनों में पहाड़ी के ऊपरी हिस्से का पानी निचले हिस्सों से होकर सीधे मुख्य नाले में जाता है। यदि अतिक्रमण नहीं रोका गया तो बारिश के मौसम में पानी दंतेश्वरी पारा के निचले हिस्सों में फैल सकता है, जिससे लोगों को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। स्थानीय सूत्रों ने बताया कि इस वार्ड में अभी भी दर्जनों घर प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लाभान्वित नहीं हो पाए हैं और अधिकांश घर मिट्टी के बने हैं। नाले में अतिक्रमण होने पर इन परिवारों की समस्याएं और बढ़ सकती हैं। वार्ड पार्षद देवेंद्र साखरे ने बताया कि अतिक्रमण को लेकर पालिका में पहले भी शिकायत की गई थी, लेकिन अधिकारियों की लापरवाही के कारण कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई और अतिक्रमण बेरोक-टोक जारी है।

जिला स्तरीय महिला खेलकूद प्रतियोगिता में

10 विधाओं में 400 खिलाड़ियों ने लिया हिस्सा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 1 फरवरी। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के तत्वाधान में शुक्रवार को जिला मुख्यालय बलौदाबाजार स्थित स्पोर्टस स्टेडियम में जिला स्तरीय महिला खेलकूद खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । प्रतियोतिगता में 9 से 18 वर्ष एवं 18 वर्ष से अधिक आयु के 10 एथलेटिक्स में लगभग 400 खिलाड़ियों ने भाग लिया।

खेल स्पर्धा के विजेताओं को पुष्पराज वर्मा के द्वारा पुरस्कार वितरण किया तथा समस्त खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया गया। जिला स्तरीय महिला खेलकूद प्रतियोगिता एवं सीनियर पुरूष खेलकूद प्रतियोगिता के आयोजन को सफ्ल बनाने हेतु नगर पालिका बलौदाबाजार, शिक्षा विभाग के व्यायाम शिक्षकों एवं विकासखंड नोडल अधिकारी बलौदाबाजार, कसडोल, सिमगा एवं पलारी का योगदान रहा।

अंडर 18 महिला- व्हालीबॉल खेल मे कसडोल प्रथम, भाटापारा-द्वितीय, पलारी-तृतीय, खो-खो में भाटापारा-प्रथम, कसडोल-द्वितीय, सिमगा-तृतीय, रस्साकसी में सिमगा-प्रथम, पलारी-द्वितीय, कसडोल-तृतीय, बैडमिंटन सिंगल्स- प्रीति वैद्य प्रथम, तान्या शर्मा द्वितीय, अनायशा सोनी तृतीय, बैडमिंटन डबल्स- तान्या शर्मा एवं अनायशा सोनी प्रथम, प्रचिती वैद्य एवं अदा द्वितीय,18 वर्ष से अधिक में व्हालीबॉल में भाटापारा-प्रथम, बलौदाबाजार-द्वितीय, खो-खो में भाटापारा-प्रथम, बलौदाबाजार-द्वितीय, पलारी तृतीय, रस्साकसी में पलारी प्रथम, बलौदाबाजार द्वितीय, भाटापारा तृतीय, बैडमिंटन सिंगल्स में पुषपांजल प्रथम, खुशबू द्वितीय, सनीया तृतीय, बैडमिंटन डबल्स में पुष्पांजल एवं खुशबू प्रथम, रीवा एवं मानसी द्वितीय रहे।एथलेटिक्स 18 वर्ष से कम में 100 मीटर दौड़ प्रथम प्रतिज्ञा, द्वितीय मासूम ध्रुव, तृतीय सिमरन साहू 400 मीटर प्रथम हीरा निषाद, द्वितीय प्रतिज्ञा साहू, तृतीय साक्षी साहू तवा फेंक में प्रथम खुशी, द्वितीय तान्या शर्मा, तृतीय प्रतिज्ञा 18 वर्ष से अधिक में 100 मीटर दौड़ प्रथम प्राची, द्वितीय खिलेश्वरी वर्मा, तृतीय त्रिवेणी सेन 400 मीटर प्रथम माधुरी ध्रुव, द्वितीय पायल सोनी, तृतीय कावेरी निषाद तवा फेंक में प्रथम ओमिन बंजारे, द्वितीय सान्या महिलांगे, तृतीय बिंदू पैकरा। इस प्रकार सीनियर पुरूष खेलकूद प्रतियोगिता में खो-खो में कसडोल-प्रथम, भाटापारा-द्वितीय, सिमगा-तृतीय, कबड्डी में कसडोल-प्रथम, भाटापारा-द्वितीय, तृतीय-सिमगा, रस्साकसी खेल में- भाटापारा- प्रथम, कसडोल-द्वितीय, पलारी तृतीय रहे।

सामान्य वर्ग का गुस्सा,एकजुट होने के संकेत भी है

किसी समाज की ताकत का पता उसकी संख्या से तो लगता ही है, अपने अहित में उठाए गए सरकार या किसी संस्था के खिलाफ सामने आए उसके गुस्से से भी पता चलता है कि समाज अपने हित व अहित को लेकर कितना एकजुट है,कितना जागरूक है। इससे देश के सभी राजनीतिक दलों,अन्य संगठनों व संस्थाओं को भी इस बात का पता चलता है कि समाज की ताकत क्या है और वह क्या कर सकता है। सभी राजनीतिक दलों,संस्थाओं,संगठनों को उनका गुस्सा संदेश होता है कि हमारी उपेक्षा की या हमारे खिलाफ किसी ने भी कुछ किया तो वह नुकसान में रहेगा। यूजीसी के नए नियमों को लेकर सामान्य वर्ग या हिंदू समाज ने देश मे जिस तरह से अपने गुस्सा जाहिर किया उससे यह तो साफ हो गया है कि २०१४ के बाद हिंदू समाज अपनी एकजुटता को लेकर जागरूक है तथा उसके खिलाफ उठाए गए किसी भी कदम का वह कड़ा विरोध करता है। अब तक देश में कांग्रेस व वामपंथियों का एक इकोसिस्टम हुआ करता था और वह भाजपा व हिंदू संगठनों के खिलाफ निरंतर एक अभियान चलाया करता था कि यह लोग जो कुछ सोचते है, गलत सोचते हैं, जो कुछ करते हैं गलत करते हैं। यह लोग देश की एकता,समरसता के खिलाफ है। यह लोग सांप्रदायिक है,यह लोग समाज को बांटने वाले हैं, यह लोग समाज में नफरत फैलाने वाले हैं।यह लोग लोग मुसलमान-दलित विरोधी हैं। यह लोग सत्ता में आएंगे तो देश की एकता अखंडता खतरे मे आ जाएगी,देश में अमन चैन नहीं रहेगा। यह इकोसिस्टम रोज-रोज यही दोहराता था और लोगों के लगता था कि यह लोग तो बुध्दिजीवी हैं, यह तो शिक्षित तबका है, यह झूठ कैसे कह सकता है, यह जो कह रहा है सच कह रहा है। देश के लोग इनकी बातों पर भरोसा भी करते थे यही वजह है कि जिनका इकोसिस्टम था है वह कई दशकों तक सत्ता में रहे। इस इकोसिस्ट्म का कई दशकों तक एकाधिकार था, इसकी बातों का कोई जबाब देने वाला नहीं था, यह लोग जो कहते थे उसे अंतिम सत्य मान लिया जाता था। यही वजह है कि इस इकोसिस्टम को बनाने वालों की सत्ता को कई दशक तक कोई चुनौती देने वाला नहीं था, यह एक तिलस्म खड़ा करने में सफल रहे थे कि उनको ही शासन करना आता था,कोई दूसरा या बहुत सारे दल मिलकर कभी सत्ता पर आ जाते थे कि यही इकोसिस्टम यह प्रचार करता था कि यह शासन चलाने योग्य नहीं है यह शासन नहीं चला सकते और साजिश करके मिली जुली सरकार गिरा दी जाती थी और फिर प्रचार किया जाता था कि देखो हम न कहते थे कि इनको शासन करना नहीं आता है।सरकार चलाना नहीं आता है। कई दशकों तक इकोसिस्टम चलाने वाले जानते थे कि बहुसंख्यक हिंदू समाज एकजुट रहा तो उनकी सत्ता को खतरा होगा, इसलिए हिंदू समाज के एससी,एसटी, पिछड़ा वर्ग व सामान्य में बांट दिया था और उनको एक दूसरे के खिलाफ लड़ाकर उनको एक नहीं होने दिया। यह इकोसिस्टम हिंदू समाज के खिलाफ था और बंटे हुए हिंदू समाज का अपना कोई इकोसिस्टम नही था इसलिए वह इनका मुकाबला करने में कमजोर पड़ता था। २०१४ में हिंदू समाज को मोदी के आने के बाद लगा कि अब उनको एकजुट करने वाला आ गया है,अब उनको एकजुट होना चाहिए और सत्ता पर उनका ही अधिकार होना चाहिए। मोदी सरकार आने के बाद हिंदू समाज के जिस इकोसिस्टम की जरूरत थी आज दस साल में खुशी की बात है कि वह इकोसिस्टम बन गया है और इसका लाभ भी हिंदू समाज को मिल रहा है। इस इकोसिस्टम के बनने से हिंदू समाज पहले ज्यादा शक्तिशाली हुआ है और अपना विरोध पहले से व्यापक तोर पर दर्ज भी करा रहा है।यह खुलकर कहने लगा है कि यह हमारे खिलाफ है, हम इसका विरोध करते है, इससे बदला जाए और इसकी जगह नया कानून बनाया जाए। हमें शोषक,भेदभाव करने वाला कहा जाए या माना जाए यह हमें मंजूर नहीं है, यह देश हमारा है और कोई हमारी उपेक्षा अब नहीं कर सकता। हमारे साथ कोई भेदभाव हो यह हमें मंजूर नहीं है। हिंदू समाज ने मंडल आयोग की सिफारिशें लागू करते वक्त भी विरोध किया था,तब गुस्से में बहुत कुछ ऐसा हुआ था,जो नहीं होना चाहिए था।जब तक पिछड़ा वर्ग को आरक्षण नहीं मिलता था वह सामान्य वर्ग ही माना जाता था।उसे आरक्षण देकर सामान्य वर्ग को कमजोर कर दिया गया था। यानी हिंदू समाज का और बांटकर उसे और कमजोर कर दिया था, हिंदू समाज ने इसका विरोध किया था,लेकिन तब की सरकारे और तब ठीक मानी जाने वाली विचाऱधारा के चलते सामान्य वर्ग के विरोध के बाद भी पिछड़ो का आरक्षण देकर हिंदू समाज को कमजोर कर दिया गया ताकि वह सत्ता का फैसला करने में कोई अहम भूमिका न निभा सके। लेकिन इस बार यूजीसी के नए नियम ने हिंदू समाज का मौका दिया तो उसने बता दिया है कि वह अब एकजुट है और उसका इकोसिस्टम बहुत अच्छे से हिंदू समाज का एकजुट करने का काम कर रहा है। इसी इकोसिस्टम के कारण इस बार हिंदू समाज की बात जल्द मान ली गई है। मान लिया गया है कि हिंदू समाज जो चाहता है वही देश व समाज के लिए ठीक है।

चर्चित मुद्दा

शिक्षा में समता या नई असमानता: यूजीसी नियमों पर न्यायिक विराम

ललित गर्ग

नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के माध्यम से उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता के नाम पर लागू किए गए नए नियमों ने देश के शैक्षिक और सामाजिक परिदृश्य में एक बार फिर गहरी हलचल पैदा कर दी है। जिस नीति को 'समता', 'समान अवसर' और 'समावेशी शिक्षा' की भावना से जोड़कर प्रस्तुत किया गया, वह व्यवहार में आते ही एक वर्ग विशेष के तीव्र विरोध, व्यापक असंतोष और सामाजिक तनाव का कारण बन गई। स्थिति इतनी विकट हुई कि सुप्रीम कोर्ट को हस्तक्षेप कर इन नियमों पर अंतरिम रोक लगानी पड़ी। यह रोक न केवल सरकार की नीति-निर्माण प्रक्रिया पर एक प्रश्नचिह्न है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि शिक्षा जैसे संवेदनशील क्षेत्र में किसी भी प्रकार का अतिशयोक्तिपूर्ण और असंतुलित प्रयोग देश को किस दिशा में ले जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट का यह हस्तक्षेप किसी नीति के समर्थन या विरोध का सीधा निर्णय नहीं है, बल्कि यह एक संवैधानिक चेतावनी है कि समानता के नाम पर लागू किए गए नियम यदि अस्पष्ट हों, दुरुपयोग की संभावना रखते हों और सामाजिक सौहार्द को बाधित करते हों, तो वे न्यायिक समीक्षा से परे नहीं रह सकते। अदालत ने प्रथम दृष्टया यह माना कि यूजीसी के नए नियमों में स्पष्टता का अभाव है और यही अस्पष्टता उन्हें विवादास्पद बनाती है। यह रोक सरकार को आत्ममंथन का अवसर देती हैकृएक ऐसा अवसर जिसे राजनीतिक टकराव के बजाय सुधार के रूप में देखा जाना चाहिए। प्रश्न यह है कि जो सरकार बार-बार 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' की बात करती रही है, वह शिक्षा संस्थानों जैसे विचार-निर्माण के केंद्रों में ऐसे नियम क्यों लाई, जिनसे जातिगत पहचान और वर्गीय विभाजन की रेखाएँ और गहरी होने की आशंका पैदा हो गई। भारत का सामाजिक इतिहास इस तथ्य का साक्षी है कि जाति के नाम पर की गई किसी भी नीति ने, चाहे उसका उद्देश्य कितना ही कल्याणकारी क्यों न रहा हो, समाज को भीतर ही भीतर विभाजित किया है। आरक्षण जैसी संवैधानिक व्यवस्था सामाजिक न्याय के लिए लाई गई थी, लेकिन इसके लंबे प्रयोग ने देश को ऐसे घाव भी दिए हैं, जिनका उपचार आज तक पूर्ण रूप से नहीं हो सका। ऐसे में शिक्षा के क्षेत्र में जातिगत आधार को और उभारने वाली किसी भी पहल को लेकर स्वाभाविक रूप से आशंका उत्पन्न होती है।

शिक्षा संस्थान केवल डिग्री बांटने की फैक्ट्रियां नहीं होते; वे समाज की दिशा तय करने वाली प्रयोगशालाएं होते हैं। यहां तैयार होने वाला छात्र केवल नौकरीपेशा व्यक्ति नहीं, बल्कि भविष्य का नागरिक होता है। यदि यही परिसर अविश्वास, वर्ग-संघर्ष और परस्पर शंका के केंद्र बन जाएं, तो इसका प्रभाव केवल शिक्षा तक सीमित नहीं रहता, बल्कि वह सामाजिक ताने-बाने को भी कमजोर करता है। यूजीसी के नए नियमों को लेकर उठा विरोध इसी आशंका का प्रकटीकरण है। यह भी विचारणीय है कि समानता और समता

के बीच का अंतर नीति-निर्माण में किस हद तक समझा गया। समानता का अर्थ है सबके साथ एक जैसा व्यवहार, जबकि समता का अर्थ है परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए संतुलित अवसर देना। यदि समता के नाम पर ऐसे प्रावधान किए जाएं जो एक नए प्रकार की असमानता को जन्म दें, तो वह नीति अपने उद्देश्य से भटक जाती है। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी इसी बिंदु की ओर संकेत करती है कि नियमों का उद्देश्य भले ही सकारात्मक रहा हो, लेकिन उनकी संरचना और भाषा ने विवाद और भ्रम को जन्म दिया।

यह भी दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस पूरे मामले में राजनीतिक रंग तेजी से हावी होता गया। पक्ष और विपक्ष दोनों ने इसे अपने-अपने हितों के चश्मे से देखना शुरू कर दिया, वोट बैंक की राजनीति से इसे देखा जाने लगा जबकि यह विषय मूलतः शिक्षा सुधार और सामाजिक संतुलन से जुड़ा था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं कई अवसरों पर यह कहते रहे हैं कि शिक्षा को राजनीति से मुक्त रखा जाना चाहिए और नीतियां दीर्घकालिक राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखकर बननी चाहिए। फिर यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि यूजीसी द्वारा बनाए गए इन नियमों में उस दूरदर्शिता और संतुलन का अभाव क्यों दिखा? लगता है कि यूजीसी ने जल्दबाजी में बिना सोचे समझे इसे लागू कर दिया,यदि यूजीसी ने व्यापक संवाद, सभी पक्षों से परामर्श और संभावित दुरुपयोग की आशंकाओं का पूर्व आकलन किया होता, तो शायद यह स्थिति उत्पन्न ही नहीं होती। नीति बनाते समय केवल कानूनी वैधता पर्याप्त नहीं होती; सामाजिक स्वीकार्यता और नैतिक संतुलन भी उतने ही आवश्यक होते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी अपने आदेश के माध्यम से यही संकेत दिया है कि शिक्षा जैसे संवेदनशील क्षेत्र में किसी भी बदलाव से पहले उसके दूरगामी प्रभावों पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए।

नए नियमों की सबसे बड़ी कमजोरी एवं त्रासदी यही रही कि वे आरक्षित और सामान्य वर्गों को एक-दूसरे के सामने खड़ा करके विद्रोह एवं विरोध में खड़ा कर दिया। यह विभाजनकारी प्रवृत्ति न केवल शिक्षा के वातावरण को दूषित करती है, बल्कि उस राष्ट्रीय एकता की अवधारणा को भी कमजोर करती है, जिसकी बात हम संविधान में करते हैं। किसी भी नीति का मूल्यांकन इस आधार पर होना चाहिए कि वह समाज को जोड़ती है या तोड़ती है। यदि वह अविश्वास और टकराव को बढ़ावा देती है, तो उस पर पुनर्विचार अनिवार्य हो जाता है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा लगाई गई रोक को किसी की हार या जीत के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। यह एक सुधार का अवसर है-सरकार, यूजीसी और समूचे शैक्षिक तंत्र के लिए। यह समय है कि भावनाओं और राजनीतिक आग्रहों से ऊपर उठकर एक ऐसी नीति बनाई जाए, जो वास्तव में समान अवसर सुनिश्चित करे, लेकिन बिना किसी नए विभाजन को जन्म दिए। शिक्षा में सुधार का अर्थ समाज को आगे ले जाना है, न कि पुराने घावों को फिर से कुरेदना।

देश को ऐसी शिक्षा नीति की आवश्यकता है जो प्रतिभा को जाति से ऊपर रखे, अवसर को पहचान से मुक्त करे और परिसरों को संघर्ष का नहीं, संवाद का केंद्र बनाए। सुप्रीम कोर्ट की यह रोक उसी दिशा में एक संकेत है। अब यह सरकार और यूजीसी की जिम्मेदारी है कि वे इस संकेत को समझें, आत्मावलोकन करें और ऐसे नियम गढ़ें जो वास्तव में भारत की समावेशी, संतुलित और भविष्यद्रष्टा संरचना के अनुरूप हों। यदि इस अवसर को भी राजनीतिक स्वार्थ की भेंट चढ़ा दिया गया, तो यह केवल एक नीति की विफलता नहीं होगी, बल्कि उस विश्वास की भी हार होगी, जो जनता ने शिक्षा सुधारों से जोड़ रखा है।

सू- दोकू क्र.301

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.300का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

शब्द सामर्थ्य -301

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं
1. संघर्ष, दौड़धूप (उर्दू.) 5. सुपुत्र, लायक पुत्र 7. ताकतवर, बलशाली 9. खुशबू, सुरभि, सुगंध 10. अकारण, व्यर्थ, बेवजह 12. गर्म तेल आदि में खाद्य वस्तु छोड़कर पकाना 13. यात्रा 15. मृत, जो मर गया हो 16. छोटे कद का, वामन, बौना 18. सांप का सिर, गुण, कला, कौशल 20. निरुत्तर, बेमिसाल 23. गोल हरे दानों वाला एक प्रसिद्ध पौधा, या इस पौधे की फली 24.माता, जननी 25. संतान, औलाद 26. अधीन, अधीनस्थ, कर्मचारी 27. चिड़िया, खग तरफदार।

ऊपर से नीचे
1.पानी में डूबा हुआ, जल प्लावित 2. पाकेटमार, जेब काटने वाला 3. समाधान, खेत जोतने का यंत्र 4. औषधालय 6. युक्ति, उपाय 8. गीला, तर, भीगा हुआ 11. झटके से मुंह से आवाज के साथ हवा बाहर आना, बलगम आदि का बाहर आना 14. तुरंत, झटपट 15. स्त्री, नारी, अबला 17. एक और एक चौथाई 19. आदमखोर 21. दुनिया, संसार, जग 22. वर्ष की छः ऋतुओं में एक ऋतु जिसमें मौसम सुहावना रहता है 23. बुद्धि, दिमाग।

1		2	3	4	■	5		6
	■	7			8	■	■	
9			■	10		11	■	
	■	12			■	13	14	
■	15		■	■	■	16		■
■		■	17	■	■	■	18	19
■	20	21		22	■	23		
24	■		■	25			■	
■	26				■	■	27	

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 300 का हल

पी	चि	दं	ब	र	म	■	■	स
ट	■	भ	ला	ई	■	अ	स	म
ना	म	■	■	स	मा	धि	■	झ
■	ज	■	बे	■	न	का	र	ना
बा	बू	■	आ	य	क	र	■	■
■	र	की	ब	■	■	■	प्र	था
ज	■	■	रू	प	क	■	ज	न
हा	■	पा	■	ना	म	ची	न	■
ज	हां	प	ना	ह	■	ता	न	ना

राशिफल

मेष राशि : आज का दिन आपके लिए पॉजिटिव रहेगा। आज आपको भाग्य का साथ मिलेगा। आपके अंदर अध्यात्म के प्रति लगाव उत्पन होगा। आप अपने ज्ञान और कार्य कौशल पर अधिक काम कर पायेंगे। आपके व्यापार में ग्रोथ होने की संभावना बढ़ेगी। आप किसी भी नई जिम्मेदारी को बेहतरीन तरीके से निभाएंगे। किन्हीं कारणों से खर्च बढ़ेगा। जीवनसाथी के साथ किसी बात को लेकर मिस अडरस्टैंडिंग हो सकती है। एक दूसरे की भावनाओं को नजर अंदाज न करें। परिवार में खुशी का माहौल बनाएं रखें। व्यर्थ के विवाद से बचें, क्रोध पर काबू रखें।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहेगा। आप परिवार के साथ अच्छा समय बिताएंगे। आपको कार्यक्षेत्र में नए अवसर मिलेंगे। अपने आपको साबित करने का मौका मिलेगा। सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे जातक अच्छी सफलता पायेंगे। आर्थिक स्थिति पहले से अच्छी रहेगी। पैसे संबंधी मामलों में किसी अन्य पर विश्वास करने से बचें। दांपत्य जीवन में खुशियाँ आएंगी। एक दूसरे से बातचीत करके समस्या का हल निकल सकता है। व्यापार करने वालों के लिए समय अनुकूल है। किसी तरह के आकस्मिक लाभ के योग हैं। छात्रों को सफलता मिलने के योग बन रहे है।

मिथुन राशि : आज आपके दिन की शुरुआत अच्छी रहेगी। आपकी रचनात्मक समझ बढ़ेगी। पारिवारिक जीवन में आप सक्रिय नजर आएंगे। मांगलिक कार्यों में खर्च होने के योग हैं। आपको आपके व्यवसाय में बड़े सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे। जिससे आपको अच्छे धन लाभ की संभावना बढ़ेगी। इस दौरान डील करने से पहले अच्छे से विचार कर लें। दोस्तों या परिवार के साथ किसी यात्रा पर जा सकते हैं। आज आप अनावश्यक वाद- विवाद से बचें। अपने गुस्से पर काबू रखें, सभी से खुलकर बात करें। पहले किया गया निवेश आज आपको अच्छा लाभ देगा।

कर्क राशि : आज आपका दिन बेहतर रहेगा। कारोबार के सिलसिले में की गई यात्रा लाभदायक सिद्ध होगी। आप फाइनेंस से जुड़े बड़े निर्णय ले सकते हैं। सौन्दर्य प्रसाधन का कारोबार करने वाले लोगों को बड़ा आर्डर मिलेगा। आप कार्य क्षेत्र और घर के बीच संतुलन बनाने का प्रयास करेंगे। आज आप अपने जीवनसाथी के साथ शॉपिंग करने जायेंगे। आज आप समझदारी से बातों को सुलझाने की कोशिश करेंगे। निजी व्यवसाय करने वाले लोंगो को अच्छे अवसर मिलेंगे। स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही न करें।

सिंह राशि : आज आप फिट और उत्साहित महसूस करेंगे। कुछ बड़े आर्डर मिलने से आपका व्यापार बढ़ेगा। आपके इनकम के सोर्स बढ़ेंगे। आपको शुभ समाचार मिलने के योग हैं। सरकारी जॉब मिलने की संभावना है। आपको आपके सीनियर्स का साथ मिलेगा। आपके कार्यों की सराहना होगी। आपके कलीग्स कुछ समस्याएं खड़ी कर सकते हैं। यदि आप कहीं इन्वेस्ट करना चाहते हैं तो ठीक से जांच परख लें। आज आप अपने व्यवहार से लोगों का ध्यान अपनी तरफ आकर्षित करेंगे। घर के बड़ों की भावनाओं को समझने का प्रयास करें। लवमेट्स के रिश्ते अच्छे बनेंगे।

कन्या राशि : आज आपको बेहतर अवसर मिलेंगे। आपको नौकरी में अच्छे अवसर के साथ बदलाव के योग हैं। व्यापारियों के लिए आज का दिन सामान्य रहेगा। प्रतियोगिता परीक्षा में बैठने वाले छात्रों के लिए दिन अच्छा है। आपको किसी मल्टीनेशनल कंपनी में जॉब के लिए ऑफर मिल सकता है। आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। एक दूसरे से तालमेल बनाकर रखें, दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा। आज आप अपने लिए समय निकालेंगे। आज आपका स्वास्थ्य अच्छा रहने वाला है। पहले किये गए किसी निवेश पर आपको अच्छा रिटर्न मिलेगा।

तुला राशि : आपके लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में आ रही चुनौतियों में कमी आएगी पारिवारिक माहौल खुशहाल रहेगा। आज आपको आपकी काबिलियत से उत्तम फल की प्राप्ति होगी। नौकरी में बदलाव के योग हैं। आपका आत्मविश्वाश बढ़ेगा। आपके व्यक्तित्व में निखार आएगा। एक से अधिक स्रोतों से धन लाभ की संभावना है। जीवनसाथी के साथ रिश्ते में प्रगाढ़ता आएगी, आपसी तालमेल बना रहेगा। अच्छे खान-पान पर ध्यान दें। डॉक्टर से चेकअप जरूर कराएं। कार्यस्थल पर सबके साथ अच्छा व्यवहार करें। विद्यार्थियों को थोड़ी और मेहनत करने की जरूरत है।

वृश्चिक राशि : आज आपका दिन खास रहेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। इस दौरान आमदनी के साथ खर्चे भी बढ़ेंगे। संतान की ओर से खुशखबरी मिल सकती है। यह संतान के विवाह संबंधी भी हो सकती है। व्यापारियों के लिए दिन सामान्य रहेगा। आज आप ऑफिस में होने वाली राजनीति से दूर रहे। धन से जुड़े मामलों में आज जीवनसाथी का साथ मिलेगा। आज आप अचल संपत्ति खरीदने का सोच सकते हैं। रुके हुये कार्यों को पूरा करने के लिए सही समय है। आज आप नया हुनर सीख सकते हैं।

धनु राशि : आपके लिए आज का दिन शुभ रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको खास उपलब्धि मिलेगी। आपके सोचने समझने की क्षमता बढ़ेगी। इस दौरान आपको आलस से बचना होगा। साझेदारी में काम कर रहे व्यापारियों के लिए आज का दिन फायदेमंद रहेगा। आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। आज आपका उत्साह बढ़ेगा। किसी नए प्रोजेक्ट पर काम करने से पहले मित्रों की सलाह लेंगे। इससे आपको फायदा होगा। सेहत से संबंधित परेशानियों को नजर अंदाज ना करें डॉक्टर को दिखाएं। प्लाटिंग बिजनेसमैन को आज किसी कस्टमर से अच्छा मुनाफा होगा। आज आप नई डिश बनाने में रूचि लेंगे।

मकर राशि : आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों के सहयोग से अपने काम को बेहतर तरीके से पूरा करेंगे। आज घर में बेटी की तरक्की से परिवार का माहौल ख़ुशी से भरा रहेगा। फार्मिंग का कारोबार कर रहे लोगों को अच्छा मुनाफा होगा। सामाजिक व राजनीतिक कामों में आपका मन लगेगा। इस राशि के लोगों को आज किसी प्रकार के कानूनी मामलों से बचने की जरूरत है। संतान पक्ष से आपको खुशखबरी मिलेगी। अध्यापन के क्षेत्र जुड़े लोगों को अच्छे अवसर मिलेंगे।

कुंभ राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आपके दाम्पत्य रिश्ते में सुधार आएगा। जीवनसाथी के लिए पसंदीदा उपहार खरीदेंगे। आज आप कहीं बाहर घूमने जा सकते है जहाँ आप अच्छा समय बिताएंगे। आज आपके अन्दर कॉन्फिडेंस बढ़ेगा। आज आपके व्यवहार से पारिवारिक स्थिति में सुधार देखने को मिलेगा। अनुभवी लोंगो की सलाह से आप अपने व्यापार को आगे ले जाने में कामयाब रहेंगे। आप अपने निजी प्रयासों से आमदनी बढ़ाने में कामयाब रहेंगे। आपका स्वास्थ्य पहले से ठीक रहेगा। विद्यार्थियों की कलात्मक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। साथ ही नये अवसर भी मिलेंगे।

मीन राशि : आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। आज धन लाभ के साथ-साथ खर्चे भी बढ़ेंगे। आज ऑफिस में कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ सकता है। आप संयम के साथ परेशानी से बाहर निकल पाएंगे। आपको अचानक धन लाभ होने के योग हैं। आज आप अपने पारिवारिक जीवन में आनंद महसूस करेंगे। इस दौरान आप अपने को शांत रखने की कोशिश करेंगे। स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन बढ़िया है। नई तरक्की मिलने के चांसेज हैं।

1 फरवरी (जयंती विशेष)

संत रविदास: भक्ति आंदोलन के रहस्यवादी कवि-संत

डॉ. सत्यवान सौरभ

माघ मास की पूर्णिमा को संत रविदास जयंती श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई जाती है। इस अवसर पर नगर कीर्तन, आरती, भजन-कीर्तन और दोहों का गायन होता है। भक्तगण गंगा अथवा अन्य पवित्र नदियों में स्नान कर संत रविदास की प्रतिमा या चित्र की पूजा करते हैं। पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश सहित उत्तर भारत के अनेक हिस्सों में यह पर्व सामाजिक समरसता और समानता का प्रतीक बन चुका है।

संत रविदास ने अपना संपूर्ण जीवन मानव समानता, सामाजिक न्याय और मानवीय गरिमा के लिए समर्पित किया। वे निर्गुण भक्ति परंपरा के प्रमुख स्तंभ और उत्तर भारतीय भक्ति आंदोलन के अग्रणी संतों में से एक थे। उनकी वाणी का महत्व इस तथ्य से भी स्पष्ट होता है कि उनके अनेक पद सिख धर्म के पवित्र ग्रंथ 'गुरु ग्रंथ साहिब' में सम्मिलित हैं। निचली जातियों के लिए वे उस समय के सामाजिक अन्याय और अस्पृश्यता के विरुद्ध एक सशक्त प्रतिरोध के प्रतीक बने।

रविदास का जन्म लगभग 15वीं शताब्दी के मध्य, लगभग 1450 ईस्वी के आसपास माना जाता है। वे चर्मकार समुदाय से थे, जिसे तत्कालीन समाज में अस्पृश्य समझा जाता था। उनके जीवन से जुड़े अनेक प्रसंग ऐतिहासिक रूप से विवादित और अस्पष्ट हैं, फिर भी उनके विचारों और काव्य का प्रभाव निर्विवाद है। वे केवल कवि नहीं, बल्कि समाज सुधारक और आध्यात्मिक चिंतक भी थे, जिन्होंने

जाति, लिंग और वर्ग आधारित भेदभाव का खुला विरोध किया। संत रविदास ने सगुण भक्ति के बजाय निर्गुण भक्ति का समर्थन किया। उनके अनुसार ईश्वर किसी मूर्ति, मंदिर या कर्मकांड तक सीमित नहीं है, बल्कि वह प्रेम, श्रम और साधना में निवास करता है। उन्होंने तपस्या, तीर्थयात्रा और बाह्य अनुष्ठानों को ईश्वर-प्राप्ति का अनिवार्य मार्ग मानने से इनकार किया और ध्यान तथा आंतरिक भक्ति को सर्वोच्च साधन बताया। उनके दर्शन में 'किरत' अर्थात श्रम की गरिमा को विशेष महत्व प्राप्त है।

रविदास की 41 रचनाएँ गुरु ग्रंथ साहिब में संकलित हैं। इसके अतिरिक्त दादूपंथी परंपरा की पंचवाणी में भी उनकी अनेक कविताएँ मिलती हैं। उन्हें संत कबीर का समकालीन माना जाता है। भक्तमाल के अनुसार वे रामानंद के शिष्य थे। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ में मीराबाई के मंदिर के पास स्थित छतरी में संत रविदास के पदचिह्न आज भी उनके और मीराबाई के आध्यात्मिक तथा काव्यात्मक संबंध को रेखांकित करते हैं।

संत रविदास ने 'बेगमपुरा' नामक एक आदर्श नगर की कल्पना की थी—एक ऐसा समाज जहाँ कोई भय, दुख, भेदभाव या अभाव न हो। यह कल्पना समानता, बंधुत्व और न्याय पर आधारित है। उनका यह विचार आधुनिक भारतीय संविधान के मूल्यों—समानता, सामाजिक न्याय और मानव गरिमा—से गहराई से जुड़ा हुआ प्रतीत होता है।

इक्कीसवीं सदी में संत रविदास की शिक्षाओं से प्रेरित होकर रविदासिया धर्म एक पृथक धार्मिक पहचान के रूप में सामने आया। "अमृतबानी गुरु रविदास जी" नामक ग्रंथ में उनके 240 भजनों को संकलित किया गया है। यह परंपरा उनके मूल विचारों—मानव समानता, सामाजिक न्याय और बंधुत्व—को आगे बढ़ाती है। संत रविदास केवल भक्ति कवि नहीं थे, बल्कि वे मानवीय चेतना के प्रवक्ता थे। उनका दर्शन आज भी समाज को यह सिखाता है कि धर्म का सार कर्मकांड में नहीं, बल्कि समता, करुणा और श्रम की गरिमा में निहित है। बेगमपुरा का उनका स्वप्न आज भी एक न्यायपूर्ण, भयमुक्त और समावेशी समाज की प्रेरक कल्पना बना हुआ है।

डेली ट्रैवल से बिगड़ रही है स्किन? अपनाएं ये आसान स्किनकेयर रूटीन

अमूमन हम स्किन की टैनिंग या डलनेस को ट्रैवल से जोड़कर देखते हैं। लेकिन इसका प्रभाव सिर्फ यहीं तक सीमित नहीं होता है, बल्कि इससे पिंपल्स से लेकर अनइवन स्किन टोन और स्किन एजिंग की समस्याएं भी बढ़ सकती हैं। इसलिए, यह बेहद जरूरी है कि आप अपनी स्किन का बेहतर तरीके से ख्याल रखें। हर दिन सुबह उठते ही भागदौड़ शुरू हो जाती है। टाइम से ऑफिस पहुंचने के लिए हम सभी बस से लेकर मेट्रो, कैब या बाइक से हर रोज सफर करते हैं। ऐसे में सिर्फ आपको ही अंदरूनी थकान नहीं होती है, बल्कि आपकी स्किन भी कहीं ना कहीं ये सब झेलती है। ट्रैवल की वजह से स्किन पर धूप, धूल, पसीना और पॉल्यूशन का असर पड़ता है। लेकिन हमें अहसास तक नहीं होता है और स्किन बैरियर धीरे-धीरे कमजोर होने लगता है। अमूमन हम स्किन की टैनिंग या डलनेस को ट्रैवल से जोड़कर देखते हैं। लेकिन इसका प्रभाव सिर्फ यहीं तक सीमित नहीं होता है, बल्कि इससे पिंपल्स से लेकर अनइवन स्किन टोन और स्किन एजिंग की समस्याएं भी बढ़ सकती हैं।

इसलिए, यह बेहद जरूरी है कि आप अपनी स्किन का बेहतर तरीके से ख्याल रखें। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही स्किन केयर टिप्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें ट्रैवल करने वाली महिलाओं को जरूर फॉलो करने चाहिए-

हर दिन लगाएं सनस्क्रीन -अक्सर हम सभी सिर्फ तेज धूप में ही सनस्क्रीन लगाकर बाहर निकलती हैं, लेकिन प्रदूषण और सूरज की किरणें हर दिन त्वचा को नुकसान पहुंचाती हैं। इसलिए, अगर आप ज्यादा देर तक बाहर रहती हैं, तो 2-3 घंटे में दोबारा सनस्क्रीन लगाएं।

हैवी मेकअप को करें अवॉयड-अगर जरूरी ना हो तो आप हैवी मेकअप को अवॉयड करें। हर रोज सफर करते हुए हैवी मेकअप स्किन को सांस नहीं लेने देता। ऐसे में आप हल्की क्रीम या बीबी क्रीम लगा सकती हैं। साथ ही, आंखों और होंठों पर हल्का मेकअप रखें। आपको शायद पता ना हो, लेकिन कम मेकअप से मुंहासे भी कम होते हैं।

चेहरे को बार-बार छूने से बचें -बस, मेट्रो और ऑफिस में कई तरह के कीटाणु होते हैं और ऐसे में अपनी स्किन का ख्याल रखने के लिए यह जरूरी है कि आप चेहरे को बार-बार ना छुएं। गंदे हाथों से चेहरा छूने से मुंहासे और जलन बढ़ सकती है। अगर आपको चेहरे पर खुजली का अहसास हो तो ऐसे में हाथों की जगह साफ रुमाल का इस्तेमाल करें।

खूब पीएं पानी-सफर करते हुए अक्सर हम सभी पानी पीना भूल जाते हैं। लेकिन दिन में कम से कम 8-10 गिलास पानी पिएं। आप सादा पानी पी सकती हैं। इसके अलावा नारियल पानी का सेवन भी किया जा सकता है। पर्याप्त पानी पीने से आपकी स्किन साफ और ग्लोइंग नजर आती है।

एक नजर

पामेड़ अभयारण्य में अवैध फर्नीचर निर्माण पर वन विभाग की बड़ी कार्रवाई

बीजापुर, 1 फरवरी। पामेड़ अभयारण्य क्षेत्र अंतर्गत धरसावास में अवैध लकड़ी कटाई एवं फर्नीचर निर्माण के विरुद्ध वन विभाग की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। गुप्त सूचना के आधार पर धरसावास स्कूल के पीछे स्थित पुलिया के नीचे छापा मारकर अवैध गतिविधियों को पकड़ा गया। कार्रवाई के दौरान अवैध रूप से संचालित मशीनों से सागौन लकड़ी से फर्नीचर निर्माण किया जा रहा था। मौके से 3.652 घन मीटर सागौन लकड़ी, मशीनें एवं अन्य सामग्री जब्त की गई। इस प्रकरण में वन अपराध क्रमांक 22180/01 दर्ज कर आरोपी को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। वन विभाग ने स्पष्ट किया है कि संरक्षित वन क्षेत्रों में अवैध कटाई एवं वन संपदा के दुरुपयोग के विरुद्ध भविष्य में भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

दुर्गम नक्सल क्षेत्र में कलेक्टर के पैदल भ्रमण से विकास को मिली नई दिशा

बीजापुर, 1 फरवरी। कलेक्टर श्री संबित मिश्रा एवं सीईओ जिला पंचायत श्रीमती नम्रता चौबे द्वारा ग्राम मंगनार से आश्रित ग्राम बोधघाट तक 10 किमी दोपहिया एवं 5 किमी पैदल यात्रा कर ग्राम गुण्डा से बुड्डुगुफा होते हुए तुलार गुफा (ग्राम पंचायत गुवाल) का भ्रमण किया गया। यात्रा के दौरान बुड्डुगुफा, तुलार गुफा पहुंच मार्ग का जायजा लिया गया एवं ग्रामीणों से सीधी चर्चा कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली। ग्रामीणों ने सड़क, पुल-पुलिया, उप स्वास्थ्य केंद्र, शाला भवन एवं आंगनबाड़ी केंद्र जैसी मूलभूत मांगें रखीं, जिन पर कलेक्टर द्वारा शीघ्र स्वीकृति का आश्वासन दिया गया। कलेक्टर द्वारा तुलार गुफा स्थित शिव मंदिर तक श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु पहुंच मार्ग निर्माण में सहयोग का भरोसा दिलाया, जिससे क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। जिला प्रशासन की इस सक्रिय पहल से ग्रामीणों में प्रशासन के प्रति विश्वास बढ़ा है तथा नक्सल प्रभावित क्षेत्र में विकास की सकारात्मक शुरुआत मानी जा रही है। इस दौरान जिला एवं जनपद पंचायत के अधिकारी, सुरक्षा बल, जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

सकनापल्ली में नए बने स्कूल भवन का लोकार्पण किया गया

बीजापुर, 1 फरवरी। भोपालपटनम विकासखंड अंतर्गत स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय, सकनापल्ली में आज नवनिर्मित विद्यालय भवन का भव्य लोकार्पण समारोह गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य कविता कोरम मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में जनपद सदस्य रीना भगत, एसएमडीसी अध्यक्ष अरुण भगत, सरपंच वेंकतम्मा पेंदम (बारेगुड़ा), सरपंच मेंकल संतोष (लिंगापुर), विकासखंड शिक्षा अधिकारी, बीआरसी, मंडल संयोजक सहित अनेक जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, पालक, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। समारोह का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत के पश्चात सरस्वती माता एवं छत्तीसगढ़ महतारी के चित्र पर पूजा-अर्चना के साथ किया गया। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना ने कार्यक्रम को भावपूर्ण बना दिया। मुख्य अतिथि कविता कोरम के करकमलों से रिबन काटकर नवनिर्मित विद्यालय भवन का लोकार्पण किया गया। लोकार्पण उपरांत अतिथियों ने विद्यालय भवन का भ्रमण किया तथा परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं सभी के सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर अतिथियों ने विद्यार्थियों को आशीर्वचन देते हुए शिक्षा के महत्व पर प्रेरणादायक विचार साझा किए। कार्यक्रम के दौरान सरस्वती सायकल योजना के अंतर्गत कक्षा 9वीं की छात्राओं को सायकल का वितरण किया गया, जिससे छात्राओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। समारोह का समापन स्वल्पाहार के पश्चात विद्यालय के प्राचार्य एट्टी राजन्ना द्वारा आभार प्रदर्शन के साथ किया गया। यह लोकार्पण समारोह क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को नई दिशा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

3.52 लाख पौधे लगाए जाने से क्षेत्र में हरियाली बढ़ी

एनएमडीसी नगरनार क्षेत्र में विकसित हुआ मानव निर्मित वन

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर,1 फरवरी। छत्तीसगए मानव निर्मित वन क्षेत्र की स्थापना के लिए तैयार है, जिसका उद्देश्य पारिस्थितिक तंत्र के क्षरण को रोकना, उसे स्थिर करना और उसे उलटना, जलवायु परिवर्तन से लड़ना और बड़े पैमाने पर विलुप्त होने की घटना को टालना है। हरियाली का स्पर्श जोड़ने और पर्यावरण के साथ संतुलन बनाने की अवधारणा न केवल प्रदूषण को कम करेगी बल्कि क्षेत्र के पारिस्थितिकी तंत्र को भी पुर्नजीवित करेगी।

छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं हरित आवरण विस्तार के उद्देश्य से एनएमडीसी नगरनार क्षेत्र में व्यापक वृक्षारोपण कार्य किया गया है। निगम द्वारा एनएमडीसी नगरनार के साथ अनुबंध के तहत वर्ष 2017 से 2025 के बीच कुल 3 लाख 52 हजार 500 पौधों का रोपण किया गया, जिसके परिणामस्वरूप क्षेत्र में एक मानव निर्मित वन का सफल विकास हुआ है।

वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप ने इस उपलब्धि के लिए विभागीय अधिकारियों को बधाई दी है। इस दीर्घकालिक वृक्षारोपण परियोजना के अंतर्गत स्थानीय जलवायु के अनुकूल छायादार, फलदार एवं अन्य उपयोगी प्रजातियों के पौधों का चयन कर वैज्ञानिक पद्धति से रोपण एवं नियमित संरक्षण किया गया। परियोजना का उद्देश्य औद्योगिक गतिविधियों से उत्पन्न पर्यावरणीय प्रभावों को कम करना, जैव विविधता को बढ़ावा देना तथा क्षेत्र के पारिस्थितिक संतुलन को सुदृढ़ करना है।

गौरतलब है कि वन विकास निगम के अधिकारियों के अनुसार विकसित मानव निर्मित वन भविष्य में वायु गुणवत्ता सुधार, जल संरक्षण, तापमान संतुलन एवं हरित वातावरण निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह पहल राज्य सरकार की सतत विकास एवं पर्यावरण संरक्षण नीति के अनुरूप एक सराहनीय प्रयास है। उक्त कार्य औद्योगिक वृक्षारोपण मण्डल, जगदलपुर के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न किया गया।

36वें राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का हुआ समापन

सुरक्षित सड़कें, सशक्त समाज की नींव है : विधायक अटामी

यातायात नियमों का पालन जीवन की सुरक्षा की गारंटी- पुलिस अधीक्षक राय

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दंतेवाड़ा, 1 फरवरी। जिले के सिटी कोतवाली परिसर में 36वें राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का समापन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक श्री चैतराम अटामी उपस्थित रहे। उनके साथ नगर पालिका उपाध्यक्ष श्री कैलाश मिश्रा, जनपद पंचायत सदस्य श्री रामूराम नेताम, पुलिस अधीक्षक श्री गौरव राय, उप पुलिस अधीक्षक (यातायात) श्री नसर उल्लाह सिद्दीकी, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस श्री राहुल उइके, श्री गोविंद दीवान, श्री कमलजीत पाटले सहित मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में विधायक श्री चैतराम अटामी ने अपने उद्बोधन में कहा कि पुलिस विभाग द्वारा लगातार चलाए जा रहे सड़क सुरक्षा एवं जागरूकता अभियानों का सकारात्मक प्रभाव देखने को मिल रहा है, जिससे सड़क दुर्घटनाओं में कमी आई है। उन्होंने कहा कि अधिकांश सड़क दुर्घटनाएं वाहन चालकों की लापरवाही, तेज गति, शराब पीकर वाहन चलाने एवं यातायात नियमों की अनदेखी के कारण होती हैं। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि वे स्वयं भी जिम्मेदार नागरिक बनें और अपने परिवार व समाज की सुरक्षा के लिए यातायात नियमों का पालन करें। साथ ही युवाओं को विशेष रूप से सावधानी बरतने की सलाह दी।

इस मौके पर पुलिस अधीक्षक श्री गौरव राय ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक की साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि हेलमेट, सीट बेल्ट, निर्धारित गति सीमा और यातायात संकेतों का पालन न करने से गंभीर दुर्घटनाएं होती हैं, जिनमें कई बार जान तक चली जाती है। उन्होंने दुपहिया वाहन चालकों से अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनने, चार पहिया चालकों से सीट बेल्ट लगाने और नशे की हालत में वाहन न चलाने की अपील की। साथ ही अभिभावकों से कहा कि वे नाबालिग बच्चों को वाहन चलाने से रोकें।

इस अवसर पर उप पुलिस अधीक्षक (यातायात) श्री नसर उल्लाह सिद्दीकी ने 01 जनवरी 2026 से 31 जनवरी 2026 तक आयोजित राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत जिले में किए गए विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों, रैली, स्कूल-कॉलेजों में संवाद, पोस्टर प्रदर्शनी एवं यातायात नियमों के प्रचार-प्रसार की जानकारी दी। कार्यक्रम में जवाहर नवोदय विद्यालय बारसूर के छात्र-छात्राओं द्वारा सड़क सुरक्षा पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं, जिन्हें उपस्थित जनों ने सराहा। अंत में मुख्य अतिथि द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वालों को प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर 36वें राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का विधिवत समापन किया गया। इस दौरान यातायात अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ में आत्महत्या के लिए मजबूर किसान

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दंतेवाड़ा 1 फरवरी। आदिवासी कार्यकर्ता एवं भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष संजय पंत ने प्रेस नोट जारी कर किसान भाइयों को बहुजन समाज में सबसे ऊंचा स्थान देते हुए उनकी समस्याओं पर प्रकाश डाला है। किसान नेता आगे कहते हैं कि सारी दुनिया का पेट भरने वाले किसान भाइयों की अथक मेहनत का ही परिणाम है कि मनुष्य प्रकृति में अपने अस्तित्व को बनाए रखा हुआ है। व्यक्ति चाहे किसी भी देश, समाज, धर्म, वर्ग या पेशे से जुड़ा हो, एक किसान ही उसकी सामान्य पहचान है क्योंकि हम सभी के पूर्वज किसान ही थे। लेकिन पूंजीवादी एवं शोषणकारी ताकतों की गुलाम बन चुकी सरकारों से परेशान होकर किसान भाइयों ने आत्महत्या जैसा खतरनाक कदम उठाना शुरू कर दिया है। देश के नीति निर्धारण में बैठे कुछ स्वार्थी तत्व यह भूल जाते हैं कि यह देश एक कृषि प्रधान समाज है एवं इसकी मौलिकता किसानों की खुशहाली से ही है। किसान हित के बड़े-बड़े चुनावी वादे करने वाले सभी राजनीतिक पार्टियों के जनप्रतिनिधि भी किसान भाइयों के ही सेवक होते हैं, क्योंकि उनके पूर्वज भी किसान ही थे। देश का विकास तभी संभव है जब किसानों का विकास होगा।

धान का कटोरा कहे जाने वाले छत्तीसगढ़ राज्य में धान की सरकारी खरीदी के दौरान कुप्रबंधन एवं अव्यवस्था ने किसान भाइयों को आत्महत्या करने के लिए मजबूर किया। राज्य के किसान भाइयों की सभी मांगों को तुरंत मानते हुए धान खरीदी की तारीख को बढाना ही होगा। राज्य कि कठपुतली सरकार की किसान विरोधी नीतियों का सीधा फायदा बाहरी क्षेत्रों से आए उद्योगपतियों को मिला है। खेती के रकबे एवं किसानों की संख्या में होने वाली कमी के जिम्मेदार देश की सभी राजनीतिक पार्टियों के नेता हैं। भारतीय किसान यूनियन राज्य के वित्त मंत्री से आने वाले बजट में किसानों के लिए विशेष पैकेज की मांग करती है अन्यथा मंत्री महोदय से अक्षमता के आधार पर इस्तीफे की मांग किया जाएगा।

मोबाइल वेटनरी यूनिट से दूरस्थ गांवों में नि:शुल्क पशु उपचार की सुविधा

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दंतेवाड़ा, 1 फरवरी। कलेक्टर श्री देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशानुसार जिले के चारों विकास खंडों में मोबाइल वेटनरी यूनिट (एमवीयू) का संचालन किया जा रहा है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य दूरस्थ एवं दुर्गम ग्रामों में पहुंचकर पशुओं का निशुल्क उपचार, दवाइयों का वितरण, बधियाकरण, टीकाकरण एवं कृत्रिम गर्भाधान की सुविधा उपलब्ध कराना है। मोबाइल वेटनरी यूनिट निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रतिदिन प्रात 8 बजे से सायं 4 बजे तक तीन ग्रामों का भ्रमण कर बीमार पशुओं का उपचार, दवा वितरण, बधियाकरण, टीकाकरण एवं कृत्रिम गर्भाधान का कार्य कर रही है। साथ ही विभागीय योजनाओं की जानकारी, मौसमी टीकाकरण का प्रचार-प्रसार, पशुपालकों की संगोष्ठी एवं पशु चिकित्सा शिविरों का आयोजन भी किया जा रहा है। इस मोबाइल यूनिट में पशु चिकित्सक, पैरावेट स्टाफ आवश्यक दवाइयाँ एवं आधुनिक उपकरण उपलब्ध रहते हैं, जिससे दूरस्थ क्षेत्रों में पशुपालकों को बड़ी राहत मिल रही है। यह सेवा ग्रामीण क्षेत्रों के लिए वरदान साबित हो रही है। राज्य शासन द्वारा पशुपालकों की सुविधा के लिए टोल फ्री नंबर 1962 जारी किया गया है, जिसके माध्यम से सड़क अथवा घर पर बीमार पशुओं का निःशुल्क उपचार कराया जा सकता है। घर-घर पहुंच सेवा के माध्यम से पशुओं के स्वास्थ्य में सुधार होने से दुग्ध, मांस एवं अंडा उत्पादन में वृद्धि हो रही है, जिससे पशुपालकों की आय में बढ़ोतरी हो रही है।

कलेक्टर का सुदूर अंचलों में जनसंवाद

सीआरपीएफकैंपों में ग्रामीणों से सीधी चर्चा कर विकास का दिया आश्वासन

बीजापुर, 1 फरवरी। जिले के दूरस्थ एवं संवेदनशील ग्रामों में प्रशासन की सक्रिय उपस्थिति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री संबित मिश्रा एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत बीजापुर ने शुक्रवार को एफ कंपनी पुलिस फोर्स के साथ क्षेत्रीय भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने नेलगुण्डा ग्राम पंचायत अंतर्गत बेलनार सीआरपीएफ कैंप पहुंचकर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया और उनकी समस्याओं व आवश्यकताओं की जानकारी ली।

बेलनार सीआरपीएफ कैंप के पश्चात कलेक्टर एवं उनकी टीम ग्राम पंचायत पल्लेवाया स्थित पल्लेवाया कैंप पहुंची, जहां ग्राम पल्लेवाया, सिरम एवं तांकिलोड के ग्रामीणों से विस्तृत चर्चा की गई। ग्रामीणों ने सड़क, पुल-पुलिया, बिजली व्यवस्था, आंगनबाड़ी भवन, स्कूल तथा धान खरीदी केंद्र जैसी बुनियादी सुविधाओं की मांग रखी। कलेक्टर श्री मिश्रा ने ग्रामीणों को इन मांगों पर शीघ्र स्वीकृति एवं आवश्यक कार्यवाही का भरोसा दिलाया।

इसके उपरांत पल्लेवाया कैंप से दोपहिया वाहन द्वारा जवानों के साथ तांकिलोड ग्राम का भ्रमण किया गया। इस दौरान धरसा आश्रित ग्राम में स्थित उप स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया गया। निरीक्षण के पश्चात कलेक्टर दल एफ कंपनी कैंप पहुंचा और वहां से जिला कार्यालय बीजापुर के लिए प्रस्थान किया।

इस पूरे भ्रमण के दौरान ग्रामीणों में प्रशासन के प्रति बढ़ता विश्वास एवं विकास को लेकर सकारात्मक वातावरण स्पष्ट रूप से देखने को मिला। दौरे में विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि तथा सुरक्षा बल के जवान उपस्थित रहे। यह भ्रमण शासन की जनहितैषी सोच और अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

असम की टीम ने ग्राम जैसाकर्रा में किया प्रधानमंत्री आवास योजना के आवासों का निरीक्षण

कांकेर 1 फरवरी। छत्तीसगढ़ राज्य में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत आवासों की गुणवत्ता, प्रगति एवं क्रियान्वयन के अध्ययन हेतु असम की टीम द्वारा निरीक्षण किया गया। असम से आये अधिकारियों की टीम में संयुक्त आयुक्त आवास श्री दुर्गावती नाथ, SEP, PMAY-G असम श्री रंजीत दास एवं श्री नीलोत्पल मिश्रा शामिल थे। राज्य कार्यालय से उपायुक्त PMAY-G श्री राजेंद्र पांडे, सहायक अभियंता MGNREGA श्री सोमकांत साहू भी निरीक्षण में शामिल हुए। निरीक्षण के दौरान टीम ने विकासखंड चारामा अंतर्गत ग्राम पंचायत जैसाकर्रा का अवलोकन किया। टीम ने योजना के अंतर्गत निर्मित एवं निर्माणाधीन आवासों की स्थिति की समीक्षा की और लाभार्थियों से प्रत्यक्ष संवाद कर योजना से संबंधित जानकारी ली। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री हरेश मंडावी ने बताया कि असम की टीम ने जिले में अभिसरण के तहत हितग्राहियों को मनरेगा के तहत प्राप्त हो रहे समयबद्ध मजदूरी भुगतान एवं स्वच्छ भारत मिशन के तहत प्राप्त हो रहे शौचालय एवं आवास निर्माण की गुणवत्ता की सराहना की। टीम ने अपने राज्य में भी इस पद्धति को लागू करने पर चर्चा की। इस अवसर पर योजना के लाभार्थी हितग्राही श्री हिरामन सिंह, श्री सहदेव निषाद एवं श्रीमती दुलारीबाई निषाद उपस्थित रहे। लाभार्थियों ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के माध्यम से पक्का आवास प्राप्त होने पर प्रसन्नता व्यक्त की तथा शासन-प्रशासन के प्रति आभार प्रकट किया।

ब्लॉकचेन आधारित भूमि अभिलेख डिजिटलीकरण से अब सीएससी केंद्रों पर मिलेगी त्वरित सेवा

दंतेवाड़ा, 1 फरवरी। कलेक्टर श्री देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशानुसार जिले के समस्त चॉइस सेंटर सीएससी केंद्रों में ब्लॉकचेन आधारित भूमि अभिलेख ;लैंड रिकॉर्ड डिजिटलीकरण सॉफ्टवेयर के लिए आईडी एवं पासवर्ड उपलब्ध करा दिए गए हैं। साथ ही सभी सीएससी सेंटर ऑपरेटरों को इस सॉफ्टवेयर के संचालन हेतु आवश्यक भौतिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया जा चुका है। अब जिले के हितग्राही अपने नजदीकी सीएससी केंद्र में जाकर 1930 से लेकर वर्तमान तक के भूमि संबंधी दस्तावेज जैसे बी.1ए मिसल अभिलेख खसरा पांचशाला इत्यादि अभिलेख प्राप्त कर सकेंगे एवं इन दस्तावेजों के आधार पर भूमि अभिलेखों का डिजिटलीकरण एवं सत्यापन करवा सकेंगे। इससे पुराने रिकॉर्ड भी सुरक्षित रूप से डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हो सकेंगे। कलेक्टर ने ब्लॉकचेन तकनीक के उपयोग से भूमि रिकॉर्ड अधिक सुरक्षित पारदर्शी एवं छेड़छाड़.रहित रहेंगे। इससे भूमि से जुड़े विवादों में कमी आएगी तथा सेवाओं की गति एवं विश्वसनीयता बढ़ेगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सीएससी केंद्रों पर नागरिकों को सरल प्रक्रिया समयबद्ध सेवा एवं उचित मार्गदर्शन सुनिश्चित किया जाए। इस पहल से जिले में डिजिटल गवर्नेंस को बढ़ावा मिलेगा और आमजन को भूमि अभिलेख से संबंधित सेवाएं अपने क्षेत्र में ही सहज रूप से उपलब्ध हो सकेंगी।

दिव्यांग विवाह प्रोत्साहन योजना

सशक्त दाम्पत्य, आत्मनिर्भर जीवन और सम्मान की नई पहचान

रायपुर, 1 फरवरी। दिव्यांग विवाह प्रोत्साहन योजना : सशक्त दाम्पत्य, आत्मनिर्भर जीवन और सम्मान की नई पहचानमुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के संवेदनशील एवं दूरदर्शी नेतृत्व में छत्तीसगढ़ शासन समाज के हर वर्ग को समान अवसर और सम्मानजनक जीवन प्रदान करने के संकल्प के साथ निरंतर कार्य कर रहा है। विशेष रूप से दिव्यांगजनों के सामाजिक पुनर्वास, आत्मनिर्भरता और मुख्यधारा में प्रभावी सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित दिव्यांग विवाह प्रोत्साहन योजना आज जमीनी स्तर पर बदलाव की मजबूत मिसाल बन रही है। समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में संचालित यह योजना दिव्यांग दम्पत्तियों को विवाह के पश्चात् आर्थिक संबल प्रदान कर उनके दाम्पत्य जीवन को सुदृढ़ आधार दे रही है, साथ ही उन्हें आत्मविश्वास और सामाजिक सम्मान के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा भी दे रही है।

इस योजना के अंतर्गत जिला गरियाबंद के छुरा विकासखंड स्थित ग्राम कुटेना, पोस्ट पाण्डुका निवासी श्रीमती कुलेश्वरी निषाद एवं उनके पति श्री लकेश निषाद को लाभान्वित किया गया। श्रीमती कुलेश्वरी निषाद 45 प्रतिशत अस्थिबाधित तथा श्री लकेश निषाद 40 प्रतिशत श्रवण बाधित हैं। योजना के प्रावधान अनुसार पति-पत्नी दोनों के दिव्यांग होने की स्थिति में उन्हें एक लाख रुपये की एकमुश्त प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। इस सहायता से दम्पत्ति ने अपने दाम्पत्य जीवन को सशक्त बनाया और आज वे किसी पर निर्भर नहीं होकर आत्मनिर्भर एवं सम्मानजनक जीवन जी रहे हैं।

गरियाबंद जिला के ही विकासखण्ड मैनपुर के ग्राम भाठीगढ़ निवासी 30 वर्षीय श्रीमती विजेश्वरी कोमर्रा, जो 65 प्रतिशत अस्थिबाधित दिव्यांग हैं एवं तहसील छुरा के ग्राम अमलोर निवासी 35 वर्षीय श्री केशर कोमर्रा पति-पत्नि है। दम्पत्ति को योजना के तहत 50 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत की गई। स्वीकृत राशि ने दम्पत्ति को उनके दाम्पत्य जीवन को सुदृढ़ आधार देने में मदद की है। इसी प्रकार, जिला बलौदाबाजार भाटापारा के ग्राम मिरगी निवासी श्री टिकेश्वर साहू को भी इस योजना का लाभ मिला है। अस्थिबाधित दिव्यांगता के बावजूद श्री साहू ने शिक्षा और कौशल विकास के माध्यम से स्वयं को सक्षम बनाया। विवाह पश्चात् स्वरोजगार प्रारंभ करने के उद्देश्य से उन्होंने दिव्यांग विवाह प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत आवेदन किया, जिसके पश्चात् उन्हें 50 हजार रुपये की सहायता राशि डीबीटी के माध्यम से उनके संयुक्त खाते में प्रदाय की गई। प्राप्त सहायता से उन्होंने टेंट एवं साउंड सिस्टम का व्यवसाय प्रारंभ कर परिवार की जिम्मेदारी संभालते हुए आत्मसम्मान के साथ जीवनयापन शुरू किया। दिव्यांग विवाह प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत 18 से 45 वर्ष की दिव्यांग महिला एवं 21 से 45 वर्ष के दिव्यांग पुरुष, जो आयकरदाता नहीं हों, को विवाह के पश्चात् आर्थिक सहायता दी जाती है। यदि दम्पत्ति में एक व्यक्ति दिव्यांग हो तो 50 हजार रुपये तथा दोनों दिव्यांग होने पर 1 लाख रुपये की एकमुश्त सहायता का प्रावधान है। वित्तीय वर्ष 2025-26 तक इस योजना से 631 से अधिक हितग्राही लाभान्वित हो चुके हैं।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने स्पष्ट किया है कि राज्य सरकार का लक्ष्य दिव्यांगजनों को केवल सहायता प्रदान करना नहीं, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनाकर समाज की मुख्यधारा में सम्मान के साथ स्थापित करना है। वहीं समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े का कहना है कि यह योजना दिव्यांगजनों के जीवन में स्थायित्व, सुरक्षा और स्वाभिमान का मजबूत आधार तैयार कर रही है। दिव्यांग विवाह प्रोत्साहन योजना छत्तीसगढ़ शासन की समावेशी, मानवीय और जनकल्याणकारी नीति का सशक्त उदाहरण है।

राष्ट्रीय बालिका दिवस पर खेल में पहचान बनाने वाली बेटियां सम्मानित

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

महासमुंद 1 फरवरी। स्थानीय शंकराचार्य संस्कृतिक भवन में राष्ट्रीय बालिका दिवस सह महिला जागृति शिविर का आयोजन किया गया इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक महासमुंद श्री योगेश्वर राजू सिन्हा, कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पालिका परिषद महासमुंद उपाध्यक्ष देवीचंद राठी , विशिष्ट अतिथियों में पूर्व पालिका अध्यक्ष ,वर्तमान पार्षद पवन पटेल, संदीप घोष, प्रशांत श्रीवास्तव, बंटी शर्मा, वार्ड पार्षद पीयूष साहू , चंद्रशेखर बेलदार, सुनैना पप्पू ठाकुर, राजेंद्र भारती चंद्राकर, युवा पार्षद धनेश्वरी सोनवानी, राहुल आवड़े ,रोशन बग्गा, सरपंच सजन यादव, निरंजना शर्मा, नैनी सिंह आदि रहे। विधायक श्री सिन्हा द्वारा बालिका सशक्तिकरण पर जोर देते हुए कहा की बालिकाएं सभी क्षेत्रों में सफलता प्राप्त कर रही हैं विशेष कर खेल के क्षेत्र में मिली सफलता के लिए राष्ट्रीय राज्य स्तरीय स्पर्धाओ में सफलता के परचम लहराने वाली बालिकाओं के प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि निश्चित ही यह सफलता बालिकाओं की सफलता के साथ यह परिवार एवं समाज की सफलता है बालिकाओं को धैर्य एवं अनुशासन प्राप्त करने के महत्व सर्वाधिक महत्वपूर्ण बताया बेटियों के महत्व की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि जिस घर में बेटियां होती हैं उसे घर में वास्तु वास करता है उसे घर को वास्तु दोष नहीं होता है विधायक महोदय द्वारा खेलों में विशिष्ट पहचान बनाने वाली बालिकाओं को शाल श्रीफल से सम्मानित किया।

कार्यक्रम में जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी टिकेंद्र जटवार ने बताया कि सन 2008 से राष्ट्रीय बालिका दिवस को मनाया जा रहा है इस दिवस मनाने के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि बाल विवाह, लैंगिक असमानता, कन्या भ्रूण हत्या आदि के रोकथाम के लिए सरकार एवम् विभाग द्वारा जन जागरुकता के जरिये विशेष पहल की जारी है और अभियान चलाया जा रहा है।

इनके अलावा परियोजनाओं द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका का सम्मान भी किया गया। इसी क्रम में शकुन यादव, राधा सेंन, कृष्णी बाई दीवान, टीना बंजारे, भुवन ठाकुर, नर्मदा साहू, मंटोरा दीवान, पीला बाई, कंचन साहू, सोफ़िया टांडी, रोशनी धृतलहरे, अंगूरी शर्मा, मंजूलता प्रधान, छवि निषाद विशाखा सिदार, लताबाई, रामबाई ठाकुर, केकती केवर्ट, निर्मला गायकवाड, सतरूपा, सरिता यादव, पुष्पलता, सुकृति ध्रुव, हेमलता देवदास आदि का सम्मान शाल श्रीफल के द्वारा किया गया।

इंटरनेशलन व नेशनल प्रतियोगिता में किया प्रतिनिधित्व

दिव्या रंगारी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व किया और बास्केटबॉल में मेडल प्राप्त किया। नवलीन कौर सब जूनियर नेशनल तीरंदाजी चैंपियनशिप अरुणाचल प्रदेश में प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया। पदमा साहू राष्ट्रीय शालेय तीरंदाजी चैंपियनशिप इंफाल मणिपुर में व्यक्तिगत स्पर्धा में कांस्य पदक प्राप्त किया। लीना सोनवानी राज्य स्तरीय नेटबाल प्रतियोगिता बालोद में रजत पदक प्राप्त किए। ईश्वरी साहू राज्य स्तरीय हैंडबॉल प्रतियोगिता कबीरधाम में प्रतिनिधित्व किया। पूजा साहू राज्य स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता बिलासपुर में प्रतिनिधित्व किया।भुवनेश्वरी यादव राज्य स्तरीय बास्केटबाल प्रतियोगिता सरगुजा में स्वर्ण पदक प्राप्त किए।

सेवाप्रदाता पदों के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 16 फरवरी

अंबिकापुर 28 जनवरी । महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि भारत सरकार ने एकीकृत महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम अंतर्गत महिला कल्याण से सम्बंधित कार्यक्रमों को संकलित करते हुए मिशन शक्ति के उपयोजना सामर्थ्य अंतर्गत वर्तमान में संचालित कामकाजी महिला हॉस्टल का नाम परिवर्तित कर उसे सखी निवास योजना के रूप में संचालित करने के निर्देश जारी किए हैं। मिशन शक्ति के अन्तर्गत मिशन शक्ति के दिशा निर्देशों के अनुसार सखी निवास हेतु जिले के कुल 05 स्वीकृत सेवाप्रदाता पदों की पूर्ति के लिए पात्र अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन भरे गए आवेदन पत्र की प्रति एवं आवश्यक दस्तावेजों को 27 फरवरी 2026 तक पंजीकृत डाक के माध्यम से कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला सरगुजा में कार्यालयीन समय सायं 5 :00 बजे तक जमा किया जा सकेगा।

एक नजर

भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा के उत्तम सिंह रंधावा बने जिलाध्यक्ष

कोरबा, 1 फरवरी। भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा, जिला कोरबा के लिए उत्तम सिंह रंधावा को जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति पर जिले भर के भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों में हर्ष और उत्साह का वातावरण व्याप्त है। बताया जा रहा हैं की उत्तम सिंह रंधावा लंबे समय से भारतीय जनता पार्टी की नीतियों, सिद्धांतों और संगठनात्मक कार्यशैली से जुड़े रहे हैं। उन्होंने अल्पसंख्यक समाज के बीच भाजपा की विचारधारा को मजबूती से पहुंचाने, संगठन को जमीनी स्तर पर सशक्त करने तथा सामाजिक समरसता के संदेश को आगे बढ़ाने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। उनके अनुभव, कार्यकुशलता और सक्रिय नेतृत्व क्षमता को देखते हुए पार्टी ने उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है।
नव नियुक्त जिलाध्यक्ष बनने पर भाजपा के वरिष्ठ नेताओं, अल्पसंख्यक मोर्चा के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उत्तम सिंह रंधावा को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं। कार्यकर्ताओं ने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में अल्पसंख्यक मोर्चा जिला कोरबा में संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी, सदस्यता अभियान को गति मिलेगी और केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचेगा।

20 वर्षीय छात्रा ने की आत्महत्या, पुराने क्वार्टर में फांसी पर लटका मिला शव

कोरबा, 1 फरवरी। जिले के बांकीमोंगरा थाना क्षेत्र अंतर्गत घुड़देवा इलाके में एक हृदयविदारक घटना सामने आई है, जहां 20 वर्षीय युवती ने पुराने क्वार्टर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलते ही बांकीमोंगरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और फांसी के फंदे पर लटक रही युवती के शव को नीचे उतारकर आगे की कार्रवाई शुरू की। मृतिका की पहचान आरती टंडन (उम्र लगभग 20 वर्ष), पिता अजीत टंडन के रूप में हुई है। आरती मूल रूप से जांजगीर-चांपा जिले के गुमिया गांव की रहने वाली थी और वर्तमान में कोरबा में रहकर कॉलेज की पढ़ाई कर रही थी। वह बीए प्रथम वर्ष की छात्रा थी। परिजनों के अनुसार, बुधवार को आरती घर से कॉलेज जाने के लिए निकली थी, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटी। इसके बाद परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। तलाश के दौरान घर में रखी घुड़देवा स्थित पुराने क्वार्टर (बी-2/27) की चाबी गायब मिली, जिससे परिजनों को संदेह हुआ। शक के आधार पर परिजन आरती के नाना अमृत टंडन के उस पुराने क्वार्टर पहुंचे, जो अंदर से बंद था। इसके बाद मृतिका के भाई ने पीछे की ओर से दीवार फांदकर अंदर प्रवेश किया, जहां आरती का शव पंखे से फांसी के फंदे पर लटका हुआ मिला। बताया जा रहा है कि आरती बचपन से ही अपने नाना के साथ इसी क्वार्टर में रहकर पढ़ाई कर रही थी। कुछ समय पहले नाना के एसईसीएल से सेवानिवृत्त होने के बाद पूरा परिवार गांव गुमिया शिफ्ट हो गया था और यह क्वार्टर बंद पड़ा था। घटना की सूचना मिलते ही बांकीमोंगरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को एसईसीएल अस्पताल की मर्चुरी में सुरक्षित रखवाया गया। गुरुवार को पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया गया। मृतिका के पिता अजीत टंडन ने बताया कि घटना से पहले आरती की मां ने किसी बात को लेकर उसे समझाने के उद्देश्य से फटकार लगाई थी। इसके बाद वह कॉलेज जाने के नाम पर घर से निकली थी। हालांकि परिजनों को यह अंदेशा नहीं था कि वह इतना बड़ा आत्मघाती कदम उठा लेगी।

सात दिवसीय विशेष शिविर महामाई मंदिर प्रांगण फरसियां में आयोजित

व्यक्तित्व विकास व प्रतिभा को निखारने का मंच है रासेयो : प्राचार्य नीरज सोन

■ कुसुमलता व दीपांशु को शिविर में सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवक का अवॉर्ड

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

धमतरी, 1 जनवरी। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय फरसियाँ का महामाई मंदिर प्रांगण में आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर का प्राचार्य नीरज सोन के मार्गदर्शन, राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी ऋषिकेश साहू, सहायक कार्यक्रम अधिकारी यशपाल सिंह साहू के कुशल नेतृत्व व दिशा निर्देश में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। शिविर के दौरान स्वयंसेवकों ने समाज सेवा, स्वच्छता, सामाजिक जागरूकता और राष्ट्र निर्माण से जुड़े अनेक कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता निभाई।

शिविर के सात दिनों में स्वच्छता अभियान, नशा मुक्ति जागरूकता, स्वास्थ्य परीक्षण, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण एवं डिजिटल जागरूकता जैसे विषयों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। स्वयंसेवकों ने गांव में रैली निकालकर लोगों को सामाजिक कुरीतियों से दूर रहने और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। रासेयो कार्यक्रम अधिकारी ऋषिकेश साहू व सहायक कार्यक्रम अधिकारी यशपाल सिंह साहू ने बताया कि स्वयंसेवक सात दिनों तक एक निश्चित समय चक्र में बंधे हुए थे ,जिसके अंतर्गत प्रतिदिन प्रातः कालीन जागरण पश्चात निर्राबेड़ा नयापारा व फ़रसियाँ में प्रभात फेरी निकालकर लोगों को जागरूक किया। स्वल्पाहार के पश्चात गांव के गलियों की सफाई, महामाई मंदिर परिसर के कुंड की साफसफाई, महामाई के रंगमंच का सौंदर्यीकरण, इत्यादि कार्यों को अंजाम दिया। बौद्धिक परिचर्चा के अंतर्गत रासेयो में व्यक्तित्व निर्माण विषय पर रविशंकर साहू व्याख्याता व महेंद्र कुमार बोरझा प्रधान पाठक ने और नशा मुक्ति पर हरक लाल साहू रिटायर्ड व्याख्याता ने अपने विचार व्यक्त किए। प्रतिदिन छात्र-छात्राएं जनसंपर्क के अंतर्गत पास के गांव में जाकर के लोगों के जीवनचर्या की जानकारी लेते थे। महामाई मंदिर समिति फ़रसियाँ के अध्यक्ष जवाहर ध्रुव अपने उद्बोधन में कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं में सेवा, समर्पण और अनुशासन की भावना विकसित करती है। उन्होंने कहा कि ऐसे शिविर युवाओं को समाज की वास्तविक समस्याओं से जोड़कर जिम्मेदार नागरिक बनाते हैं। प्रयाग बिसेन ने स्वयंसेवकों के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि सात दिवसीय शिविर ने समाज में जागरूकता का संदेश दिया है। प्राचार्य नीरज सोन ने स्वयंसेवकों के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि रासेयो व्यक्तित्व विकास व प्रतिभा को निखारने का मंच है। ऐसे शिविर युवाओं में सेवा, अनुशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करते हैं। प्रधानपाठक महेंद्र कुमार बोरझा ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों के व्यक्तित्व को निखारने का एक अच्छा प्लेटफार्म है इसके माध्यम से समाज सेवा करते हुए खुद को उन्नत व प्रगतिशील बनाने का मौका मिलता है। शिविर में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले स्वयंसेवक कुसुमलता ध्रुव व दीपांशु कश्यप को उत्कृष्ट स्वयंसेवक का अवॉर्ड दिया गया व समस्त स्वयंसेवकों को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में चंद्रिका प्रसाद साहू, शिवदयाल साहू, त्रिलोक साहू, सुभाष कश्यप, सुदर्शन चनाप, हरक राम साहू, मीना शांडिल्य, दीनदयाल ग्वाले, गजानन कश्यप, राधेश्याम साहू, हीरालाल ध्रुव, हुलास राम चिन्डा, भीमसेन गजेंद्र, व्याख्याता निरुपमा श्रीमाली, किरण श्रीमाली, लोमश कुमार पटेल, प्रेमलाल ध्रुव, अरविंद सोम, रेणु सोम, अंजना लाउत्रे, देवयानी सोम, शिल्पा मानिकपुरी, पारुल बिसेन, गीतिका निषाद, आरती निषाद, नीलम साहू, टिकेश साहू, त्रिलोक कपूर ध्रुव, ललिता निषाद, भगवती ध्रुव, भारत चनाप ,प्रेमलाल कश्यप, पूर्णिमा ध्रुव, लता साहू, तामेश्वरी साहू, केसरी ध्रुव, भूपेश निर्मलकर, लक्ष्मी ध्रुव, गीतेश्वर साहू, दीपेश नाग आदि का सहयोग प्राप्त हुआ। समापन कार्यक्रम का संचालन सहायक कार्यक्रम अधिकारी यशपाल सिंह साहू ने किया।

समाचार संक्षेप

जिले के दो दिव्यांगों को मिला श्रवण यंत्र का उपहार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

धमतरी, 1 फरवरी। दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण और उन्हें मुख्यधारा से जोडने के निरंतर प्रयासों के तहत समाज कल्याण विभाग द्वारा दो हितग्राहियों को श्रवण यंत्र प्रदान किए गए। उप संचालक समाज कल्याण ने बताया कि ग्राम रानीगांव, तहसील नगरी निवासी श्री नेक राम नागेश (पिता श्री सागर दास नागेश), जो 95 प्रतिशत श्रवण बाधित से प्रभावित हैं, को उनकी आवश्यकतानुसार उन्नत श्रवण यंत्र उपलब्ध कराया गया।

इसी प्रकार, सरदार वल्लभ भाई पटेल वार्ड, धमतरी निवासी श्रीमती विमला देवी (पति श्री ताराचंद), जो 40 प्रतिशत श्रवण बाधित हैं, को भी विभाग द्वारा श्रवण यंत्र प्रदान किया गया। श्रवण यंत्र मिलने के बाद हितग्राहियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बताया कि इस सहायक उपकरण की मदद से अब उन्हें संवाद करने और दैनिक कार्यों को सहजता से करने में काफी आसानी होगी। उप संचालक ने बताया कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता है, ताकि दिव्यांगजन आत्मनिर्भर और सम्मानजनक जीवन जी सकें। श्रवण यंत्र प्राप्त करने के बाद हितग्राहियों ने खुशी जाहिर करते हुए शासन और प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

लाइवलीहुड कॉलेज में दिया जाएगा विभिन्न कोर्सों का प्रशिक्षण

■ प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण में नाम जुड़वाने 31 मार्च तक होगा सर्वेक्षण

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

धमतरी, 1 फरवरी। मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के तहत लाईवलीहुड कॉलेज धमतरी में सुरक्षा गार्ड, जल वितरण संचालन(नलजल मित्र), असिस्टेंट इलेक्ट्रिशियन, टैक्सी ड्रायवर, रिटेल सेल्समेन, कम्प्यूटर हार्डवेयर, एसी रिपेयरिंग कोर्सों में निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के इच्छुक 18 से 45 वर्ष तक की आयु वर्ग के आठवीं, दसवीं और 12 वीं उत्तीर्ण आवेदकों से आगामी 7 फरवरी तक आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

सहायक परियोजना अधिकारी लाईवलीहुड कॉलेज ने बताया कि शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, बैंक पासबुक, पासपोर्ट साईज फोटो आदि के साथ आवेदन पत्र सिविल कोर्ट के पास स्थित लाईवलीहुड कॉलेज धमतरी में जमा किया जा सकता है।

निगम के अधिकारी, कर्मचारियों ने लिया नशामुक्ति का संकल्प

कोरबा, 1 फरवरी। नगर पालिक निगम कोरबा के अधिकारी कर्मचारियों ने महात्मा गांधी की पुन्यतिथि के अवसर पर नशामुक्ति का संकल्प लिया तथा शपथ पत्र पर हस्ताक्षर किया। अपर आयुक्त श्री विनय मिश्रा ने साकेत भवन परिसर में अधिकारी कर्मचारियों को नशामुक्ति का संकल्प दिलाया।

निगम के अधिकारी कर्मचारियों ने नशामुक्ति का संकल्प लेते हुए कहा कि हमें ज्ञात है कि नशापान से मानसिक असंतुलन की स्थिति बनती है और आत्मविश्वास कम हो जाता है, नशापान से कार्य करने की क्षमता कम हो जाती है तथा व्यक्ति भ्रमित हो जाता है, जिससे जीवन में भटकाव की स्थिति निर्मित होती है। नशापान से शारीरिक एवं मानसिक गभीर व्याधियां होती है, जिससे असमय मृत्यु हो सकती है। नशापान से सामाजिक प्रतिष्ठा कम होती है, तथा समाज से प्रायः उपेक्षा मिलती है, जिससे जीवन कष्ट प्रद हो जाता है। नशापान से पारिवारिक सुख एवं समृद्धि का अंत होता है, जिससे मनुष्य विचलित होकर संकटमय जीवन व्यतीत करता है। नशापान से वातावरण प्रदूषित होता है, जिससे हमारे परिवार के बच्चे अधिक प्रभावित होते है, जो सभ्य समाज के लिए लज्जाजनक है। नशापान उच्च स्तरीय जीवनशैली का प्रतीक नहीं है, अपितू अज्ञानता में लिया गया निर्णय है। अतः हम संकल्प लेते हैं कि नशामुक्त भारत अभियान को सफल बनाने, अपने छत्तीसगढ़ को विकसित राज्य बनाने, अपने परिवार में हर्षोल्लास रखने, तन, मन, धन को सुदृढ़ बनाने, पर्यावरण को स्वच्छ रखने के लिए सभी वर्ग के व्यक्तियों में नशापान के दुष्परिणामों को प्रचारित कर यथासंभव नशा पीड़ितों से व्यक्तिगत संपर्क कर उन्हें नशामुक्ति के लिए प्रेरित करेंगे तथा हम आजीवन नशामुक्त रहेंगे। इस अवसर पर उपायुक्त बी.पी.त्रिवेदी, लेखाधिकारी भवकांत नायक, संपदा अधिकारी अनिरूद्ध सिंह, उप अभियंता गुलिस्ता साहू, जनसंपर्क अधिकारी रावेन्द्र सिंह, निगम सचिव रामेश्वर सिंह कंवर, अशोक जायसवाल, संतोष यादव, रमेश, महेन्द्र यादव आदि उपस्थित थे।

वेदमती शैली की पंडवानी गायिका प्रभा यादव को मिला भरत मुनि सम्मान

रायपुर, 1 फरवरी। कला एवं साहित्य की अखिल भारतीय संस्था संस्कार भारती ने अखिल भारतीय भरतमुनि सम्मान 2025 लोक कला के अंतर्गत छत्तीसगढ़ की वेदमती शैली की प्रमुख पंडवानी गायिका प्रभा यादव को सम्मानित किया गया। उनकी कला साधना और अपने कार्यक्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए 01 फरवरी 2026 को ठाणे (महाराष्ट्र) के गडकरी रंगायतन सभा हॉल में एक भव्य समारोह में अखिल भारतीय भरतमुनि सम्मान 2025 से अलंकृत किया।

संस्कार भारती के अखिल भारतीय महामंत्री अश्विन दलवी ने कहा कि संस्कार भारती द्वारा दिया जाने वाला यह अखिल भारतीय भरतमुनि सम्मान भारत में पंचम वेद के नाम से विख्यात नाट्य शास्त्र के रचयिता महर्षि भरतमुनि को समर्पित है। ऐसे विशिष्ट कला साधकों को सम्मानित करते हुए हम गौरवान्वित हैं तथा इनकी समाजोन्मुखी कला साधना से अभिभूत भी है। इस पुरस्कार के लिए इन कलाकारों का चयन विशेषज्ञों की एक समिति द्वारा किया गया।

संस्कार भारती छत्तीसगढ़ प्रांत के सह महामंत्री डॉ. पुरुषोत्तम चंद्राकर ने बताया कि प्रसिद्ध शास्त्रीय नृत्यांगना (ओडीसी एवं भरतनाट्यम) पूर्व राज्यसभा सदस्य विदुषी सोनल मानसिंह (पद्म विभूषण) द्वारा तथा संस्कार भारती के अखिल भारतीय अध्यक्ष वायलिन वादक डॉ. मैसूर मंजूनाथ की उपस्थिति में यह सम्मान 01 फरवरी 2026 को गडकरी रंगायतन, ठाणे, महाराष्ट्र में आयोजित समारोह में दिया गया।

इसमें सम्मान स्वरूप एक स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र एवं रुपए 1,51,000 की राशि भेंट की गई। उल्लेखनीय है कला जगत का यह सम्मान प्रतिवर्ष दो कला विधाओं में दिया जाता है।

कलेक्टर ने मगरलोड पोषण पुनर्वास केंद्र का किया औचक निरीक्षण

■ कलेक्टर ने गुणवत्ता और नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

धमतरी, 1 फरवरी। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने आज धमतरी जिले के मगरलोड विकासखंड स्थित कुपोषित बच्चों के लिए संचालित पोषण पुनर्वास केंद्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्र में उपलब्ध व्यवस्थाओं, उपचार प्रक्रिया एवं बच्चों को दी जा रही पोषण संबंधी सेवाओं का बारीकी से जायजा लिया। कलेक्टर मिश्रा ने केंद्र में भर्ती बच्चों के स्वास्थ्य की स्थिति, उनके उपचार एवं नियमित निगरानी की जानकारी ली। उन्होंने बच्चों की माताओं से संवाद कर बच्चों के स्वास्थ्य में हो रहे सुधार, पोषण आहार, टीकाकरण एवं एएनसी जांच से संबंधित जानकारी भी प्राप्त की। कलेक्टर ने माताओं को बच्चों के पोषण, स्वच्छता एवं नियमित स्वास्थ्य परीक्षण के महत्व के प्रति जागरूक किया।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कुपोषित बच्चों के उपचार एवं पोषण प्रबंधन में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा सभी आवश्यक सुविधाएं समय पर और गुणवत्तापूर्ण रूप से उपलब्ध कराई जाएं। इस अवसर पर सीईओ जनपद पंचायत मगरलोड सुश्री दिव्या ठाकुर, परियोजना अधिकारी सुमित कुमार सहित संबंधित विभागों के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

लोक भवन रायपुर में ब्रेल पुस्तकों एवं 3000 से अधिक ऑडियो बुक्स का विमोचन

सामान्य पुस्तकों का ब्रेल एवं ऑडियो रूपांतरण उत्कृष्ट मिसाल : डेका

■ धमतरी की शिक्षिका प्रीति शांडिल्य राज्यपाल के करकमलों से सम्मानित

■ दिव्यांगजनों के शैक्षणिक सशक्तिकरण की दिशा में अनुकरणीय पहल

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

धमतरी, 1 फरवरी। दिव्यांगजनों के शैक्षणिक सशक्तिकरण एवं समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में एक ऐतिहासिक एवं प्रेरणादायी पहल के तहत रायपुर स्थित लोक भवन, सिविल लाइन में एक गरिमामय राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महामहिम राज्यपाल छत्तीसगढ़, रमेन डेका के करकमलों द्वारा दो महत्वपूर्ण ब्रेल पुस्तकों-'दिव्यांग महिलाओं की सफलता की कहानी' एवं 'छत्तीसगढ़ के वीर' का विधिवत विमोचन किया गया। साथ ही दृष्टिबाधित बच्चों हेतु तैयार की गई 3000 से अधिक ऑडियो बुक्स का भी लोकार्पण किया गया। इस कार्यक्रम में धमतरी जिले की समर्पित शिक्षिका श्रीमती प्रीति शांडिल्य को दिव्यांगजनों के लिए शिक्षा के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट एवं नवाचारी योगदान हेतु राज्यपाल महोदय द्वारा सम्मानित किया गया, जो पूरे जिले के लिए गौरव का विषय है। प्रीति शांडिल्य द्वारा ब्रेल पुस्तकों के निर्माण एवं ऑडियो बुक्स अभियान में निभाई गई सक्रिय भूमिका ने दृष्टिबाधित बच्चों के लिए शिक्षा के नए द्वार खोले हैं।

लोकार्पित ऑडियो बुक्स में कक्षा 6वीं से 12वीं तक के समस्त विषय, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु विशेष प्लेलिस्ट, सरगुजिया कहानियां, सामान्य ज्ञान, महिला सशक्तिकरण, दिव्यांगजनों के लिए शासकीय योजनाएं एवं सहायता संसाधनों से संबंधित उपयोगी सामग्री शामिल है। यह समस्त सामग्री वर्ल्ड ऑडियो बुक यूट्यूब चैनल पर एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराई गई है, जिससे दृष्टिबाधित विद्यार्थियों को सहज एवं निःशुल्क शैक्षणिक संसाधन प्राप्त हो सकेंगे। इस अवसर पर महामहिम राज्यपाल रमेन डेका ने शिक्षकों द्वारा किए जा रहे इस मानवीय एवं संवेदनशील प्रयास की मुक्तकंठ से सराहना करते हुए कहा कि सामान्य पुस्तकों का ब्रेल एवं ऑडियो रूपांतरण कर दृष्टिबाधित बच्चों को मुख्यधारा की शिक्षा से जोड़ना, समावेशी शिक्षा की उत्कृष्ट मिसाल है। उन्होंने कहा कि इस अभिनव पहल को अन्य राज्यों तक भी पहुंचाया जाएगा, ताकि यह राष्ट्रीय स्तर पर एक आदर्श मॉडल बन सके। इस अभियान की प्रेरणा राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित शिक्षिका के. शारदा (दुर्ग) को वर्ष 2024 में मिले सम्मान के पश्चात मिली। 25 अक्टूबर 2024 से प्रारंभ इस अभियान में उन्होंने स्वयं 800 से अधिक ऑडियो बुक्स तैयार कीं। बाद में विभिन्न जिलों के शिक्षकों के सहयोग से यह संख्या बढ़कर 3100 से अधिक हो गई। पूर्व में के. शारदा एवं धमतरी की शिक्षिका प्रीति शांडिल्य द्वारा संयुक्त रूप से तैयार ब्रेल पुस्तकों को छत्तीसगढ़ के 20 ब्रेल विद्यालयों में 100-100 प्रतियां निःशुल्क वितरित की जा चुकी हैं।

कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने इस अवसर पर कहा कि जिले की शिक्षिका प्रीति शांडिल्य सहित सभी शिक्षक साथियों द्वारा दिव्यांगजनों के लिए किया जा रहा कार्य अत्यंत सराहनीय, प्रेरणादायी एवं अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कि यह पहल न केवल शिक्षा को समावेशी बनाती है, बल्कि समाज में सेवा, संवेदनशीलता एवं सकारात्मक सोच को भी सुदृढ़ करती है।

इस ऑडियो बुक निर्माण अभियान में कुल 30 शिक्षकों की सक्रिय सहभागिता रही। राज्यपाल महोदय ने सभी योगदानकर्ता शिक्षकों को सम्मानित करते हुए इस पहल को समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत बताया।

एक नजर

मुख्यमंत्री ने राजिम कुंभ कल्प, शिवरीनारायण मेला एवं सिरपुर महोत्सव की दी शुभकामनाएं

रायपुर, 1 फरवरी। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने 01 फरवरी से माघपूर्णिमा के अवसर पर प्रारंभ हो रहे राजिम कुंभ कल्प, शिवरीनारायण मेला एवं सिरपुर महोत्सव के लिए प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ के प्रयागराज के रूप में प्रसिद्ध राजिम में महानदी, पैरी और सोंढूर नदियों के पवित्र त्रिवेणी संगम पर आयोजित होने वाला राजिम कुंभ कल्प प्रदेश की आस्था और सांस्कृतिक परंपराओं का प्रतीक है। राज्य सरकार इसकी ऐतिहासिक पहचान और गरिमा को पुनर्स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है, इसी उद्देश्य से 'राजिम माघी पुन्नी मेला' को पुनः 'राजिम कुंभ कल्प' का नाम दिया गया है। श्री साय ने बताया कि इस वर्ष राजिम कुंभ कल्प का आयोजन 01 फरवरी माघपूर्णिमा से 15 फरवरी महाशिवरात्रि तक किया जाएगा तथा इसे रामोत्सव के रूप में मनाया जाएगा। इस दौरान पुण्य स्नान, साधु-संतों के प्रवचन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। मुख्यमंत्री श्री साय ने माघपूर्णिमा पर शिवरीनारायण में महानदी, शिवनाथ एवं जोंक नदी के संगम पर लगने वाले मेले तथा महानदी तट पर माघी पूर्णिमा से प्रारंभ हो रहे सिरपुर महोत्सव के सफल आयोजन की भी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ये आयोजन छत्तीसगढ़ की आध्यात्मिक चेतना, लोक संस्कृति और पर्यटन को नई पहचान देंगे।

महाराष्ट्र की प्रथम महिला उपमुख्यमंत्री को मुख्यमंत्री साय ने दी शुभकामनाएँ

रायपुर, 1 फरवरी। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने महाराष्ट्र की प्रथम महिला उपमुख्यमंत्री श्रीमती सुनेत्रा अजित पवार के शपथ ग्रहण पर उन्हें हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई दी है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के यशस्वी मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस के कुशल नेतृत्व में श्रीमती सुनेत्रा अजित पवार महाराष्ट्र की विकास यात्रा को नई दिशा और गति प्रदान करेंगी।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने विजेताओं को पुरस्कृत किया

रायपुर, 1 फरवरी। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने विकासखंड लखनपुर के ग्राम बिनकरा, बगदरी एवं जमगला में आयोजित खेल प्रतियोगिता में युवा खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया तथा खेलों के माध्यम से अनुशासन व टीम भावना की सीख पर जोर दिया। लखनपुर विकासखंड के इन ग्रामीण क्षेत्रों में चले भव्य खेल आयोजन में श्री अग्रवाल ने खिलाड़ियों से भेंट की तथा उनकी प्रतिभा की सराहना की। स्थानीय युवाओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने माहौल को रोमांचक बना दिया। मंत्री ने विजेताओं को सम्मानित किया तथा सभी को निरंतर प्रयास की प्रेरणा दी। श्री अग्रवाल ने कहा, कि खेल हमें अनुशासन, स्वस्थ जीवन शैली और टीम भावना के साथ कार्य करने की सीख देता है। उन्होंने ग्रामीण युवाओं को सक्रिय रहने तथा खेलों को जीवन का हिस्सा बनाने की सलाह दी। उन्होने कहा कि मेरी शुभकामनाएं हमारी असीम ऊर्जा से परिपूर्ण युवा शक्ति के साथ है। उन्होंने राज्य सरकार की खेल नीतियों का उल्लेख करते हुए बताया कि ग्रामीण स्तर पर ऐसे आयोजनों से प्रतिभाएं निखरेंगी। युवाओं से अपील की कि वे खेलों के माध्यम से स्वस्थ समाज के निर्माण में सहभागी बनें।

लखनपुर में 4.18 करोड़ से अधिक के 26 विकास कार्यों का भूमिपूजन

रायपुर, 1 फरवरी। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने नगर पंचायत लखनपुर में 4 करोड़ 18 लाख रुपये से अधिक कीमत के 26 विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इन परियोजनाओं से क्षेत्र में बुनियादी सुविधाएं मजबूत होंगी और अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचेगी। डबल इंजन सरकार छत्तीसगढ़ के बहुमुखी विकास के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है। लखनपुर में आयोजित समारोह में श्री अग्रवाल ने सभी 26 परियोजनाओं का विधिवत भूमिपूजन किया। स्थानीय जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ। मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि ये कार्य क्षेत्र के समग्र उत्थान का आधार बनेंगे और सरगुजा जैसे पिछड़े क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ेंगे। इन परियोजनाओं में सड़क निर्माण, जल निकासी व्यवस्था, स्ट्रीट लाइटिंग, सामुदायिक भवन और पेयजल सुविधाओं का विस्तार शामिल है। कुल 4.18 करोड़ रुपये की लागत से ये कार्य शीघ्र पूर्ण कर लिए जाएंगे।

खेती-किसानी को बनाएंगे किसानों के लिए लाभदायक:शिवराज सिंह चौहान

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर, 1 फरवरी। केन्द्रीय कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भारत के किसानों ने अपनी मेहनत और परिश्रम से देश की दिशा और दशा दोनों बदल दी है। वर्तमान में कृषि की विकास दर 4.45 प्रतिशत है, कृषि क्षेत्र में एक-दो प्रतिशत की वृद्धि भी बड़ी मानी जाती है। खेती को लाभ का व्यवसाय बनाना है तो परम्परागत खेती के अलावा फलों, सब्जियों मसाले एवं औषधि फसलों की खेती के साथ कृषि के उन्नत तकनीक को अपनाना होगा। केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान आज कुम्हारी में किसान मेला में शिरकत करते हुए यहां आयोजित कार्यक्रम को मुख्य अतिथि की आसंदी से सम्बोधित कर रहे थे।

केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने कहा कि भारत आज चावल उत्पादन में दुनिया में नंबर वन बन चुका है और चीन को भी पीछे छोड़ दिया है। देश में 18 करोड़ टन चावल का उत्पादन हुआ है। छत्तीसगढ़ को धान का

कटोरा कहा जाता है। फल और सब्जी उत्पादन में भी भारत ने रिकॉर्ड तोड़ा है। सब्जियों की ग्रोथ रेट अद्भुत है और अब लोगों के दैनिक जीवन में फलों की खपत भी बढ़ी है।

उन्होंने कहा कि कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसान उसकी आत्मा। किसान केवल अन्नदाता नहीं बल्कि जीवनदाता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गौरवशाली, शक्तिशाली और आत्मनिर्भर विकसित भारत का निर्माण हो रहा है। खेती में प्रगति हुई है, लेकिन किसानों की आय बढ़ाने के लिए खेती को लाभ का व्यवसाय बनाना जरूरी है। इसके लिए परंपरागत खेती के साथ नई तकनीक, उन्नत बीज और फल, फूल, सब्जी एवं औषधीय फसलों की खेती को अपनाना होगा। आज छत्तीसगढ़ में उत्पादित सब्जियां अन्य देश के अन्य राज्यों में भेजी जा रही हैं।

केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने खेतों में नवाचार की सराहना करते हुए कहा कि यहां बैंगन की जड़ों पर टमाटर फल रहे हैं तो तीखी मिर्च में शिमला मिर्च उगाई जा रही है। यहां गन्ना, कपास, केला, ब्लूबेरी और ड्रैगन फ्रूट की खेती भी हो रही है। खेतों का दौरा करने के दौरान किसानों ने बताया गया कि धान की परंपरागत खेती में जहां 35 से 40 हजार रुपये की बचत होती है, वहीं सब्जी की खेती से दो लाख रुपये प्रति एकड़ तक शुद्ध लाभ संभव है। किसान मेला में प्रगतिशील किसानों ने हाईटेक मंडी और प्रशिक्षण केंद्र के लिए भूमि की मांग रखी। इस पर मंत्री श्री चौहान ने कहा कि किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। उन्होंने नकली खाद और बीज की समस्या पर चिंता जताते हुए बताया कि संसद के आगामी सत्र में सीड एक्ट लाया जाएगा ताकि खराब बीज देने वालों पर कड़ी कार्यवाही हो सके। इसी तरह कीटनाशक (पेस्टिसाइड) कानून भी लाया जाएगा। उन्होंने कहा कि अनुसंधान और रिसर्च को सरकार पूरा समर्थन देगी। इस दौरान उन्होंने फरवरी माह में दिल्ली में आयोजित होने वाले कृषि चिंतन शिविर की जानकारी देते हुए सभी प्रगतिशील किसानों को आमंत्रित किया। केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की सर्वोच्च प्राथमिकता किसान हैं और सरकार किसानों का साथ कभी नहीं छोड़ेगी। उन्होंने कहा कि किसानों की खेती को फायदे की खेती बनाएंगे। केंद्र और राज्य सरकार मिलकर किसानों की खेती को अधिक लाभकारी बनाने के लिए हर संभव कदम उठाएगी। इस दौरान उन्होंने किसान मेला किसानों द्वारा संचालित राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों के कृषि उत्पाद एवं आधुनिक कृषि यंत्रों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। प्रदेश के कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने कहा कि छत्तीसगढ़ के कृषि क्षेत्र में जो उल्लेखनीय प्रगति दिखाई दे रही है, उसके पीछे युवा और प्रगतिशील किसानों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि इन किसानों ने अपने नवाचार और मेहनत से प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई है। समारोह में कृषि के क्षेत्र में योगदान देने वाले युवा प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा, स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव, सांसद श्री विजय बघेल, अहिवारा विधायक श्री डोमनलाल कोर्सेवाड़ा, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्री प्रेमप्रकाश पाण्डे, पूर्व विधायक श्री देवजीभाई पटेल एवं डॉ. दया राम साहू, जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती सरस्वती बंजारे सहित युवा प्रगतिशील किसान संघ के पदाधिकारी एवं किसान भाई बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

रामकृष्ण मिशन आश्रम परिसर स्थित स्टेडियम में सीएम साय ने कहा

शिक्षा के बिना मानव जीवन अधूरा शिक्षित व्यक्ति ही बढ़ता है आगे

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर, 1 फरवरी। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज नारायणपुर के रामकृष्ण मिशन आश्रम परिसर स्थित इंडोर स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा के बिना मानव जीवन अधूरा है। शिक्षित और अशिक्षित व्यक्ति के जीवन में बड़ा अंतर होता है। अशिक्षित व्यक्ति शोषण का शिकार होता है, जबकि शिक्षित व्यक्ति अपने विवेक का उपयोग कर निरंतर आगे बढ़ता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने विद्यार्थियों को मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि यह समय अध्ययन का है। उन्होंने एक आदर्श विद्यार्थी के पांच गुणों- काकचेष्टा बको ध्यानं श्वानन्दिरा तथैव च। अल्पहारी गृहत्यागी विद्यार्थी पञ्चलक्षणम। का उल्लेख करते हुए विद्यार्थियों से लक्ष्य निर्धारित कर एकाग्रता के साथ अध्ययन करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी अपने माता-पिता के सपनों को साकार करते हुए देश और प्रदेश की सेवा करें। मुख्यमंत्री श्री

विष्णुदेव साय ने नारायणपुर के रामकृष्ण आश्रम के बच्चों से चर्चा करते हुए कहा कि उच्च शिक्षा में आर्थिक स्थिति कभी बाधा नहीं बननी चाहिए। छत्तीसगढ़ सरकार विद्यार्थियों के लिए छात्रावास, छात्रवृत्ति, प्रतिभावान विद्यार्थियों को प्रोत्साहन राशि सहित अनेक सुविधाएं उपलब्ध करा रही है। उच्च शिक्षा के लिए ऋण की सुविधा भी प्रदान की जा रही है। साथ ही विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु नालंदा परिसर का संचालन किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने रामकृष्ण मिशन के सेवा भावी कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि अबूझमाड़ जैसे सुदूर और अंदरूनी क्षेत्रों के बच्चों को शिक्षा प्रदान करना अत्यंत सराहनीय कार्य है। मिशन द्वारा यहां कृषि के अतिरिक्त अन्य क्षेत्रों में भी लोगों की सहायता की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में सेवा कार्य करते हुए रामकृष्ण मिशन को 40 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं, जो अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि माओवाद प्रभावित होने के कारण पहले लोग इस क्षेत्र में आने से डरते थे, लेकिन अब धीरे-धीरे माओवाद समाप्ति की ओर है और विकास कार्यों में तेजी आई है। नियद नेल्लानार योजना के माध्यम से अब तक 400 ग्रामों में विकास कार्य प्रारंभ हो चुके हैं। सड़क, बिजली, पानी जैसी बुनियादी सुविधाएं पहुंच रही हैं। लोगों के राशन कार्ड, आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड सहित अन्य आवश्यक दस्तावेज भी बन रहे हैं।

राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह समय अपने भविष्य को संवारने का है। भगवान ने सभी को विवेक और क्षमता प्रदान की है, जिससे जीवन को बेहतर बनाया जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से सकारात्मक सोच रखने, अच्छी पुस्तकें पढ़ने और अच्छे संगत में रहने का आग्रह किया। इस अवसर पर बस्तर सांसद श्री महेश कश्यप, लघु वनोपज संघ के अध्यक्ष श्री रूपसाय सलाम, सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे।

दिव्यांग बच्चों के बीच पहुंचे मुख्यमंत्री साय

■ नारायणपुर के परीयना दिव्यांग आवासीय विद्यालय को बस देने की घोषणा

रायपुर, 1 फरवरी। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज नारायणपुर जिले के गरांजी स्थित परीयना दिव्यांग आवासीय विद्यालय में अचानक छात्रों के बीच पहुंचे। विद्यालय पहुंचने पर संस्था में अध्ययनरत दिव्यांग छात्र रंजीत बड्डे सहित विशेष आवश्यकता वाले बच्चों ने मुख्यमंत्री का आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर बच्चों द्वारा स्वागत गीत, हनुमान चालीसा एवं बस्तर अंचल के पारंपरिक गीतों की सुंदर प्रस्तुति दी गई, जिसने उपस्थित सभी अतिथियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। बच्चों की मांग पर मुख्यमंत्री श्री साय ने विद्यालय को एक बस उपलब्ध कराने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने बच्चों से चर्चा करते हुए कहा कि उन्हें मेहनत और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ना चाहिए। विद्यालय में उपलब्ध सुविधाएं अच्छी हैं, उनका पूरा लाभ लेकर सभी अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाएं। उन्होंने बच्चों को आईएएस, आईपीएस जैसे उच्च पदों तक पहुंचने के लिए प्रेरित किया और कहा कि किसी भी प्रकार की शारीरिक कमी से निराश नहीं होना चाहिए, क्योंकि विशेष आवश्यकता वाले व्यक्तियों पर ईश्वर का विशेष आशीर्वाद होता है। बच्चों ने जब उनसे पूछा गया कि उन्हें विद्यालय आकर कैसा लगा, तो मुख्यमंत्री ने कहा कि बच्चों के बीच आकर उन्हें अत्यंत प्रसन्नता हुई। एक बच्ची के प्रश्न पर मुख्यमंत्री ने बताया कि बचपन में उन्हें पिट्ठू, फुटबॉल जैसे खेल खेलना बहुत पसंद था।

मुख्यमंत्री ने संस्था के सभी बच्चों को चॉकलेट वितरित कर आशीर्वाद दिया। दिव्यांग बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की मुख्यमंत्री श्री साय सहित राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा, बस्तर सांसद श्री महेश कश्यप, अन्य जनप्रतिनिधियों, मुख्यमंत्री सचिव श्री राहुल भगत, कमिश्नर श्री डोमन सिंह एवं आईजी श्री सुंदरराज पी. ने सराहना की। उल्लेखनीय है कि परीयना दिव्यांग आवासीय विद्यालय का शुभारंभ 11 सितंबर 2023 को किया गया था। इसका संचालन जिला खनिज न्यास निधि से किया जा रहा है। विद्यालय का मुख्य उद्देश्य दिव्यांग बच्चों को समावेशी शिक्षा प्रदान कर उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है, जिससे उनका आत्मविश्वास सुदृढ़ हो और वे समाज में अपनी भूमिका प्रभावी रूप से निभा सकें। यह विद्यालय सामान्य और दिव्यांग बच्चों के बीच एक सेतु के रूप में कार्य कर रहा है। वर्तमान में विद्यालय में कुल 60 बच्चे अध्ययनरत हैं। विद्यालय में आडियोलॉजी, फिजियोथेरेपी, विशेष शिक्षा संगीत शिक्षा, खेलकूद, योग एवं व्यायाम, तथा कंप्यूटर शिक्षा की सुविधाएं उपलब्ध हैं।

अबूझमाड़ की धरती से देश-दुनिया को दिया जा रहा है अमन और शांति का मजबूत संदेश: मुख्यमंत्री साय

रायपुर, 1 फरवरी। अबूझमाड़ की पावन धरती से शांति, सद्भाव और विकास का सशक्त संदेश देते हुए आज अबूझमाड़ पीस हाफ मैराथन 2026 का भव्य एवं ऐतिहासिक आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज अलसुबह नारायणपुर के हाईस्कूल परिसर के समीप आयोजित हाफ मैराथन सहभागिता की और धावकों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया तथा सांकेतिक रूप से स्वयं भी दौड़ लगाई। इस दौरान मुख्यमंत्री ने विजयी प्रतिभागियों को प्रदान किए जाने वाले मैडल का अनावरण भी किया।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि आज अबूझमाड़ की धरती से पूरे देश और दुनिया को अमन और शांति का मजबूत संदेश दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह वही अबूझमाड़ है, जहाँ कभी आम नागरिकों और जवानों का पहुँचना भी कठिन था, लेकिन आज सकारात्मक वातावरण के कारण हजारों लोग यहाँ एकत्रित हुए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर में माओवाद से मुक्ति की दिशा में युवा वर्ग का जोश और उत्साह यह संकेत दे रहा है कि जल्द ही यह क्षेत्र खुशियों से आबाद होगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह परिवर्तन डबल इंजन सरकार की नीतियों और नेतृत्व का परिणाम है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह के संकल्प और दृढ़ इच्छाशक्ति का उल्लेख करते हुए कहा कि 31 मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद के समूल उन्मूलन का लक्ष्य तय किया गया है और बस्तर लाल आतंक से

पूरी तरह मुक्त होगा। उन्होंने नक्सलवाद के विरुद्ध संघर्ष में लगे सुरक्षा बलों के अधिकारियों एवं जवानों के अदम्य साहस और पराक्रम को नमन करते हुए कहा कि उन्हीं के बलिदान और समर्पण से आज बस्तर क्षेत्र में शांति और विकास की मजबूत नींव पड़ी है।

मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि हाल ही में बस्तर क्षेत्र में 351 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया गया है तथा नए विकास कार्यों की घोषणा भी की गई है। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद के कारण यह क्षेत्र पिछले चार दशकों से विकास से वंचित रहा, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा और बस्तर में विकास की गंगा निरंतर बहेगी। उन्होंने सम्पूर्ण बस्तर और छत्तीसगढ़ को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के सरकार के संकल्प को दोहराया। उल्लेखनीय है कि यह 21 किलोमीटर लंबी हाफ मैराथन नारायणपुर से बासिंग तक आयोजित की गई, जिसमें देश-विदेश से आए 60 से अधिक विदेशी प्रतिभागियों सहित बस्तर संभाग, प्रदेश एवं अन्य राज्यों के 10 हजार से अधिक धावकों ने भाग लिया। मैराथन से पूर्व हाईस्कूल परिसर में जुंबा वॉर्मअप कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों प्रतिभागियों ने एक साथ उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस आयोजन की सबसे विशेष और ऐतिहासिक बात यह रही कि आत्मसमर्पित माओवादी युवाओं ने भी हथियार छोड़कर शांति और मुख्यधारा में लौटने का संदेश देते हुए मैराथन में हिस्सा लिया। नारायणपुर की अबूझमाड़िया जनजाति सहित स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी ने इस आयोजन को और अधिक प्रभावशाली एवं प्रेरणादायी बनाया।

आरपीएफ बैंड की प्रस्तुति ने उच्च न्यायालय परिसर को किया संगीतमय

रायपुर, 1 फरवरी। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर में 'एन इवनिंग ऑफ म्यूजिकल हॉरमोनी' का भव्य एवं संगीतमय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रेलवे सुरक्षा बल बिलासपुर के पाइप एवं ब्रास बैंड द्वारा अनुशासित एवं मनमोहक संगीतमय प्रस्तुति दी गई, विशेष रूप से राष्ट्रगीत वंदे मातरम की प्रस्तुति से उपस्थित जनसमूह मंत्रमुग्ध हो गया। कार्यक्रम के माध्यम से संगीत, अनुशासन एवं सांस्कृतिक सौहार्द का सुंदर समन्वय देखने को मिला। बैंड द्वारा प्रस्तुत देशभक्ति धुनों, पारंपरिक एवं समकालीन संगीत की प्रस्तुति ने उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर दिया। बैंड सदस्यों की अनुशासित परेड, तालमेल एवं संगीतात्मक उत्कृष्टता ने उपस्थित दर्शकों को विशेष रूप से आकर्षित किया। इस गरिमामय अवसर पर छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर के मुख्य न्यायाधीश श्री रमेश सिन्हा ने बैंड की प्रस्तुति और कलाकारों के अनुशासन एवं संगीतात्मक उत्कृष्टता को सराहा एवं प्रतिभागी सदस्यों को स्मृति चिह्न एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया। यह संगीतमय संध्या न्यायिक गरिमा के साथ-साथ सांस्कृतिक चेतना को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक सराहनीय पहल रही।

महतारी वंदन योजना से महिलाओं के जीवन में आया सकारात्मक बदलाव

रायपुर, 1 फरवरी। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के दूरदर्शी नेतृत्व में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को केंद्र में रखकर संचालित महतारी वंदन योजना प्रदेशभर में सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तन की सशक्त मिसाल बन रही है। प्रतिमाह सीधे बैंक खातों में दी जा रही आर्थिक सहायता से महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं तथा परिवार और समाज में उनका सम्मान एवं सहभागिता सुदृढ़ हो रही है। यह योजना आर्थिक सहयोग के साथ-साथ महिलाओं में आत्मविश्वास, सुरक्षा एवं स्वावलंबन की भावना को भी मजबूत कर रही है।

प्रदेश के विभिन्न जिलों में योजना का सकारात्मक प्रभाव स्पष्ट रूप से परिलक्षित हो रहा है। कोरबा जिले के रामपुर क्षेत्र की गृहिणी श्रीमती बहुरा कौशिक एवं उनकी बहू श्रीमती सविता कौशिक इस योजना की लाभार्थी हैं। दोनों को अब तक योजना के अंतर्गत 24 किश्तों में कुल 24 हजार रुपये की सहायता राशि प्राप्त हो चुकी है, जिससे घरेलू आवश्यकताओं की पूर्ति एवं बच्चों की शिक्षा में उल्लेखनीय सहयोग मिला है। श्रीमती सविता कौशिक ने बताया कि प्रतिमाह समय पर मिलने वाली राशि से घरेलू खर्चों का सुव्यवस्थित प्रबंधन संभव हुआ है और आवश्यकता के समय किसी पर निर्भर नहीं रहना पड़ता। वहीं श्रीमती बहुरा कौशिक ने कहा कि शासन की यह पहल महिलाओं के लिए बड़ी राहत सिद्ध हुई है, जिससे परिवार में सहयोग, सम्मान और आत्मविश्वास की भावना और अधिक मजबूत हुई है। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के प्रति आभार व्यक्त किया। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि,महतारी वंदन योजना महिलाओं के आत्मसम्मान, आर्थिक स्वावलंबन और सामाजिक सुरक्षा को सुदृढ़ करने की दिशा में राज्य शासन की एक ऐतिहासिक एवं प्रभावी पहल है। यह योजना महिलाओं को परिवार और समाज में निर्णायक भूमिका निभाने के लिए सक्षम बना रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है और इस योजना के माध्यम से हर पात्र महिला तक लाभ सुनिश्चित किया जा रहा है। महतारी वंदन योजना महिलाओं के सम्मान, स्वावलंबन और सशक्तिकरण की दिशा में एक प्रभावी कदम के रूप में स्थापित हो रही है, जो आत्मनिर्भर महिलाओं के माध्यम से समृद्ध एवं सशक्त छत्तीसगढ़ के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

ताला महोत्सव से बिलासपुर और छत्तीसगढ़ को मिली वैश्विक पहचान : अरुण साव

रायपुर, 1 फरवरी। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने आज ताला महोत्सव के दूसरे दिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों का शुभारंभ किया। उन्होंने इस मौके पर कहा कि मनियारी नदी के तट पर स्थित ताला गांव की देवरानी-जेठानी मंदिर तथा रुद्र शिव की अद्वितीय प्रतिमा ने न केवल बिलासपुर, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ को देश-दुनिया में विशेष पहचान दिलाई है। इस ऐतिहासिक और सांस्कृतिक क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए राज्य सरकार पूरी तरह वचनबद्ध है। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि बीते दो वर्षों में क्षेत्र में 200 करोड़ रुपये से अधिक की लागत के आठ महत्वपूर्ण सड़क निर्माण कार्यों को स्वीकृति मिली है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ विधायक श्री धरमलाल कौशिक अपने क्षेत्र के विकास को लेकर सदैव चिंतित रहते हैं, इसी कारण यहां अभूतपूर्व विकास कार्य हुए हैं। जो भी सड़कें अभी शेष हैं, उन्हें भी स्वीकृत कर आगामी तीन वर्षों में पूर्ण किया

जाएगा। श्री साव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की प्रत्येक गारंटी को मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व वाली सरकार धरातल पर उतार रही है। उन्होंने बताया कि कल ही महतारी वंदन योजना की 24वीं किस्त जारी की गई है, जिसके तहत सभी पात्र महिलाओं के खातों में एक-एक हजार रुपये जमा किए गए हैं। इससे मेला-मड़ई में महिलाओं की भागीदारी और रौनकता में वृद्धि हुई है। विधायक श्री धरमलाल कौशिक ने अपने संबोधन में कहा कि इस वर्ष से ताला महोत्सव में दिन के समय सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत एक सराहनीय पहल है, जिससे महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि ताला की रुद्र शिव प्रतिमा जैसी मूर्ति विश्व में कहीं और नहीं है, जिसके शरीर और चेहरे पर उकेरी गई विभिन्न जीव-जंतुओं की आकृतियां इसकी अद्वितीय विशेषता हैं। उन्होंने बताया कि उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव के प्रयासों से बिल्हा विधानसभा क्षेत्र में दो वर्षों में लगभग 200 करोड़ रुपये के सड़क निर्माण कार्य स्वीकृत हुए हैं। गांव-गांव में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान बन रहे हैं, पीने का पानी, चावल और इलाज के लिए आयुष्मान कार्ड आम जनता को उपलब्ध हो रहा है। क्रेडा के अध्यक्ष श्री भूपेंद्र सवन्नी ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि क्रेडा की ओर से मंदिर परिसर में 11 लाख रुपये की लागत से दो हाई मास्ट सोलर लाइट स्वीकृत की गई हैं। जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री रामकुमार कौशिक और जिला पंचायत सदस्य श्री गोविंद यादव सहित बड़ी संख्या में आसपास के गांवों के नागरिक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित थे। लोक कलाकार श्री सुनील सोनी के नेतृत्व में रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर महोत्सव का वातावरण उल्लासपूर्ण बना दिया।

कहां सवालों के तुमसे, जवाब मांगते हैं... हम अपनी आँखों के हिस्से के ख्वाब मांगते हैं...

हमीं को दरिया पर जाने से रोकने वाले...
हमीं से पानी का सारा हिसाब मांगते हैं...

मणिकर्णका घाट पर मृत्यु का जश्न है, मनुष्य आखिर जिन्दा क्यों है, एकमेव प्रश्न है...... बनारस के मणिकर्णिका घाट के बारे में यह कहा जाता है कि यहां 24 घंटे 365 दिन कभी चिता की आग नहीं बुझती, जलने वाली चिताओं से निकलने वाली भस्म कॉरिडोर तक आती हैं, बड़ी संख्या में श्रद्धालु, पर्यटक पहुंचते हैं। ऐसे में अब कॉरिडोर बिल्कुल मणिकर्णिका घाट से सट गया है, इसके कायाकल्प की जरूरत भी महसूस की जा रही थी, हालांकि यहां एक चबूतरे के विध्वंस के बाद हंगामा मच गया क्योंकि वहां कई मूर्तियां थीं, सरकार नये तरीके से इसे बना रही है, औरंगजेब द्वारा काशी विश्वनाथ के विध्वंश के बाद इंदौर की ही महारानी अहिल्याबाई ने काशी में कई बड़े कार्य कराये थे। विश्वनाथ मंदिर के जीर्णोद्धार के साथ अहिल्याबाई ने मणिकर्णिका घाट का जीर्णोद्धार कराया, उसी कालखंड में मढ़ी को भी बनवाया गया था। बाद में मढ़ी के निचले हिस्से में अहिल्याबाई की प्रतिमा के साथ और भी प्रतिमाएं लगी थीं। ड्रिल करते समय इन्हीं मूर्तियों को हटाने के तरीके का स्थानीय लोगों ने विरोध शुरू किया था। मणिकर्णिका घाट पर इन दिनों कायाकल्प का काम चल रहा है, जिसको लेकर तोड़फोड़ और मूर्तियों के नुकसान के आरोपों पर सियासी घमासान मचा हुआ है।सरकार का कहना है कि घाट को 'विश्वस्तरीय सुविधाओं' के साथ नए सिरे से विकसित किया जा रहा है। इसके लिए पहले चरण में 35 करोड़ ? आवंटित किए हैं, बड़ा प्लेटफार्म बनाया जाएगा ताकि एक साथ अंतिम संस्कार की बेहतर व्यवस्था हो सके..!

गंगाराम, मोहिले और मारवाड़ी शमशानघाट..

मणिकर्णका घाट विवाद को लेकर रायपुर का एक प्रसंग याद आ रहा है।रायपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष गंगा राम शर्मा को हटा कमिश्नर ए डी मोहिले को प्रभारी बनाया गया। गंगाराम ने शिकायत की-आप मेरे कार्यकाल की योजना की उपेक्षा कर रहे हैं, मैंने मारवाड़ी कब्रिस्तान की बाउंडीवाल बनाने की योजना बनाई थीं, उसे स्थगित कर दिया...तब वरिष्ठ आईएएस ने कहा था- देखिये गंगारामजी बाहर वाले लोग कब्रिस्तान के भीतर नहीं आना चाहते और अंदर वाले (मृतक) बाहर नहीं जाना चाहतेफिर बाउंड्रीवाल में इतना खर्च करने की क्या जरूरत हैं...कुछ ऐसा मणि कर्णकाघाट का हाल है, अपने परिजनों के अंतिम संस्कार के लिये आते हैं वहाँ विश्वस्तरीय सुविधा उपलब्ध कराने की जरूरत देने निर्माण कार्य कर नये विवाद को जन्म देने के पीछे आखिर क्या तुक है...?

साबित करें वो शंकराचार्य हैं...

शँकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती बीते 18 जनवरी को मौनी अमावस्या के अवसर पर प्रयागराज संगम में स्नान करने जा रहे थे, इस दौरान उत्तर प्रदेश पुलिस की ओर से रोके जाने के बाद से धरने पर बैठे थे, उनके समर्थकों से उप्र पुलिस का व्यवहार भी अशोभनीय ही रहा, दोषी अधिकारियों के ख़िलाफ़ कार्रवाई की मांग नहीं पूरी होने पर वे बिना स्नान के ही लौट गये, सनातन की वकालत करने वाली भाजपा, योगी जैसे सीएम के रहते इस तरह की घटना में भाजपा में भी मतभेद है। खैर योगी की सरकार ने नोटिस दिया है कि शंकराचार्य साबित करें वे शंकराचार्य हैं...? वैसे ज़ब से केंद्र और कुछ राज्यों में भाजपा की सरकारें बनी है वहाँ एक नई चर्चा ने जन्म लिया है।नागरिक साबित करे वो नागरिक है...? वोटर साबित करे वो ही वोटर है...? किसान साबित करे वो किसान है...? निर्दोष साबित करे वो निर्दोष है...? देशभक्त साबित करे वो देशभक्त है...?अक्लमंद साबित करे कि वो अक्लमंद है...? पहाड़ साबित करे वो पहाड़ है.? नदी साबित करे वो नदी है...? जंगल साबित करे वो जंगल है...? इतिहास साबित करे वो इतिहास है...?इंसान साबित करे वो इंसान है...? वाह रे अमृतकाल की सरकार....!

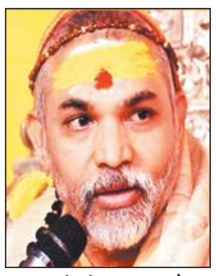

महाकाल की नगरी, घोड़े की सवारी, सीएम और मिथक...

धार्मिक नगरी उज्जैन में 'राह गीरी आनंदोत्सव' के दौरान एक बड़ा हादसा होते- होते टल गया। कार्यक्रम के दौरान जब सीएम डॉ.मोहन यादव घुड़सवारी कर रहे थे, अचानक ही उनका संतुलन बिगड़ गया और वे घोड़े से नीचे गिर पड़े। इस अचानक हुई घटना से वहां मौजूद लोगों और प्रशासनिक अधिकारियों में हड़कंप मच गया। बाबा महाकाल उज्जैन के राजाधिराज हैं। यह आस्था नहीं, बल्कि सदियों से चली आ रही परंपरा है। इस नगरी को लेकर पुरानी मान्यता है, महाकाल के अलावा दूसरा 'राजा' टिक नहीं सकता। इतिहास में केवल सम्राट विक्रमादित्य ही ऐसे राजा माने जाते हैं... जिन्होंने उज्जैन में रात्रि विश्राम किया, वे सिर्फरुके ही नहीं, बल्कि उज्जैन में रहते हुए घोड़े की सवारी करते थे, आत्मविश्वास था, तेज था, शायद बाबा महाकाल का आशीर्वाद भी...। फिर युग बदला, राजे गए, लोकतंत्र आया। राजा की जगह सीएम आए। लेकिन परंपरा नहीं बदली। मप्र के किसी भी सीएम ने उज्जैन में रात नहीं बिताई। सिंहस्थ जैसे महापर्व पर भी शिवराज सिंह चौहान दिन में ही निरीक्षण कर लौट जाते थे। उनसे पहले वाले भी यही करते रहे। शायद सबको पता था, उज्जैन में ताज नहीं, त्रिशूल चलता है। फिर सीएम बने डॉ. मोहन यादव। 16-17 दिसंबर 23 की रात उज्जैन में रुक कर वर्षों पुराने मिथक को तोड़ दिया। बयान आया, बाबा महाकाल ही एकमात्र राजा हैं, मैं तो उनका बेटा हूँ। बात सुनने में बड़ी विनम्र लगी। बेटे के साथ पूरा सीएम वाला काफिला, सुरक्षा घेरा, प्रोटोकॉल और शाही ठाठ भी मुफ्त में चला आया। ताज नहीं पहना। बस पूरा दरबार साथ ले आए।अब उज्जैन का ही एक वीडियो सामने आया है, जिसमें घोडे डॉ. यादव को बैठाने से इंकार कर दिया।विक्रमादित्य, घोड़े पर सवार होते थे और आजज..घोड़े ने डॉ. यादव को नकार दिया। इसे संयोग कहिए या संकेत। तस्वीर साफ़है। जिस नगरी में सम्राट की सवारी सहज थी, वहीं सीएम को घोड़ा स्वीकार नहीं कर पा रहा, इतिहास तलवार से नहीं, संकेतों से बोलता है, उज्जैन में तो संकेत भी बहुत भारी पड़ते हैं। कहने को डॉ. मोहन यादव स्वयं को बाबा महाकाल का बेटा बताते हैं, पर संदेश बड़ा सीधा है, उज्जैन में सिर्फ महाकाल राजा हैं, बाकी सबज अस्थायी यात्री। महाकाल की नगरी में मेहमान बनकर आया जा सकता है, पर राजा बनने की कोशिशज्भारी पड़ती है।

बस्तर को नक्सलमुक्त करने के बाद क्या...

छ्ग को नक्सलवाद से मुक्ति मिलना अब तय हो चुका है। केंद्रीय बल, छ्ग पुलिस की मुहिम से कई बड़े नक्सली लीडर या तो मारे जा चुके हैं या आत्मसमर्पण कर चुके हैं, इक्के दुक्के भूमिगत हो चुके हैं। वैसे छ्ग में 02 वर्षों में 529 नक्सली मारे जा चुके हैं, 1975 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है, वहीं 26 28 नक्सलियों ने आत्म समर्पण किया है।यह

सिलसिला जारी भी है।बस्तर में आतंक का पर्याय हार्डकोर नक्सली लीडर बसवराजू, लक्ष्मी नर सिम्हा चालम उर्फ सुधाकर, माडवी हिड़मा को न्यूट्रलाइज किया गया इन पर करोड़ों का ईनाम घोषित था। जाहिर है कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह केआदेश, सीएम विष्णु देव साय के मार्गदर्शन, डीजी पी अरुणदेव गौतम के नेतृत्व, बस्तर आईजी सुन्दर राज पी.की कुशल रणनीति में नक्सली नेतृत्व दम तोड़ रहा है। निर्धारित समय 31 मार्च के पहले ही छ्ग नक्सल मुक्त हो जाएगा। पर बस्तर का नक्सल मुक्त होने के बाद क्या होगा.... क्या बस्तर अभी की स्थिति में रहेगा या उसका स्वरूप बदल जाएगा क्योंकि अभी तक नक्सल मुक्त होने के बाद बस्तर के विकास का ब्लू प्रिंट सामने नहीं आया है....!

एक भी पुलिस पदक नहीं... दोषी कौन...

2020 से 25 तक तो राज्य को राष्ट्रपति का पुलिस वीरता पदक मिलता रहा है, 2026 में 206 नक्सलियों सहित कुछ बड़े नक्सली लीडरों को छ्ग में मारने, एक साथ 30- 35 नक्सलियों को मारने पर भी एक भी पुलिस पदक नहीं मिलना चर्चा में है? सूत्रों की माने तो कुछ एसपी ऑफिसों से पुलिस पदक की पुलिस मुख्यालय अनुशंसा भेजी गई, वहाँ से भी छ्ग के गृह विभाग भी सूची भेजी गई पर राज्य के गृह विभाग से केंद्रीय गृह मंत्रालय निर्धारित समय में अनुशंसा भेजनें में कोताही बरती गई जिससे छ्ग को एक भी पुलिस पदक नहीं मिल सका... जबकि 2020 में 8, सन 21 में 205, सन 22 में 10, सन 23 में 7, सन 24 में 26, सन 25 में 14 पुलिस पदक छ्ग को मिले थे वहीं 2026 में एक भी मैडल नहीं मिला है?

और अब बस....

» छग के निजी अस्पतालों ने सरकार को अल्टीमेटम दिया है कि अगर आयुष्मान भारत योजना के तहत बकाया 1700 करोड़ रुपये का भुगतान 31 जनवरी तक नहीं हुआ, तो 1 फरवरी से सभी निजी अस्प तालों में इस योजना के मरीजों का इलाज बंद हो जाएगा।

» छग सरकार के नये नये मंत्री गुरु खुशवंत साहब दुबई विदेश यात्रा पर गए हैं। सीएम की अनुमति से मंत्री की इस यात्रा की लेकर सवाल खड़े हो रहे थे।

चलती ट्रेन में महिला ने बच्चे को दिया जन्म

रायपुर, 1 फरवरी। आज गाड़ी संख्या 12251 (वैनगंगा एक्सप्रेस) में एक महिला अंकिता कुमारी उम्र 25 वर्ष अपने पति दिनेश कुमार के साथ महबूबनगर(हैदराबाद) से चाम्पा स्टेशन के लिए एस-2 कोच में यात्रा कर रही थी जिसकी गाड़ी के दुर्ग स्टेशन छोड़ने के उपरांत अचानक प्रसव पीड़ा चालू हो गयी। टीटीई इशांत शर्मा के द्वारा इसकी सूचना वाणिज्य नियंत्रण रायपुर को दी गयी इसी बीच गाड़ी के भिलाई छूटने के कुछ देरी बाद उनकी पत्नी की डिलीवरी हो गयी। उक्त डिलीवरी में कोच में उपस्थित लोगों ने मदद की थी। इसकी सूचना तत्काल रेलवे हॉस्पिटल रायपुर, स्टेशन वाणिज्य अधीक्षक एम एस राजा, स्टेशन मास्टर एन के साहू, मंडल सुरक्षा नियंत्रण कार्यालय, यात्री गाड़ी नियंत्रण कार्यालय और स्टेशन टीटीई संजीत कुमार को दी गयी। गाड़ी के रायपुर स्टेशन पहुंचते ही डॉक्टर बिजोया सिस्टर दीपमाला ने अंबेडकर अस्पताल पहुंचाया।

मांगों को लेकर निगम आयुक्त को ज्ञापन सौंपा

रायपुर, 1 फरवरी। पिटबुल डॉग पर प्रतिबंध होने के बावजूद रायपुर शहर में अनेक लोग इसे किससे अनुमति लेकर पाले हैं, जिनके चलते कई डिलीवरी बॉय सहित सामान्य नागरिक डॉग बाइट के गंभीर शिकार हो चुके हैं,, निगम के नोटिस मात्र से क्या उन पर लगाम लगाया जा सकता है? नगर निगम से दीप्ति प्रमोद दुबे ने मांग की है कि जिन लोगों को पिटबुल ने काटा है उन्हें सरकार हर्जाना दे तथा उनके मालिकों पर निगम एफआईआर दर्ज कराये। ऑक्सीजोन, गांधी उद्यान अनुपम गार्डन सहित शहर के प्रमुख उद्यानों में गाय सांड कुत्तों के आतंक से मॉर्निंग एवं इवनिंग वॉक करने वालों पर लगातार हमले के चलते लोगों का उद्यानों में घूमने दुभर हो गया है अत: उक्त उद्यानों में गार्ड की उचित व्यवस्था तत्काल की जाए। अभी से पेयजल की समस्या कई वार्डों में शुरू हो चुकी है ब्राह्मण पारा सदर बाजार रविशंकर शुक्ल वार्ड कचना सहित कई वार्डों में पेयजल की गंभीर संकट शुरू हो चुकी है जबकि अभी गर्मी की शुरुआत भी नहीं हुई है जल बोर्ड के गठन के बावजूद धरातल में समाधान नहीं दिखता, जिस पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित कर उन स्थानों पर पानी दिया जाए। जबकि निगम द्वारा पर्याप्त पानी सप्लाई का ढिंढोरा पीटा जा रहा है। वार्डों में मुक्कड़ की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है,, लगभग 144 करोड़ खर्च करने के बावजूद निगम क्षेत्र में ना मुक्कड़ कम हो रहे हैं, ना सफाई व्यवस्था की स्थिति में सुधार हो रहा है अधिकारी केवल घूम कर ठेकेदारों को 10-20000 फाइन कर खाना पूर्ति कर लेते हैं।

रमेश आहूजा को प्रतीक चिन्ह

रायपुर, 1 फरवरी। युवा सेवा संगठन के अध्यक्ष सोनू शर्मा एवं नगर निगम एम आई सी के सदस्य अमर गिदवानी ने नेता सुभाष चंद्र बोस जयंती के अवसर पर ओजस्वी भाषण देने के लिए रमेश आहूजा को प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया गया।इस अवसर पर युवा सेवा संगठन के नेता किशोर आहूजा उपस्थित थे।

कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26